vkj- ,u- vkb- u- UPHIN/2010/32566 Mkd- ith;u- l[;k& SSP/LW/NP-311

अद्भुत समाचार

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी साप्ताहिक
हर ख़बर पर पैनी नज़र

o"k Z % 15 vad % 20 y[kuÅ] c)okj 28 vxLr 2024 l 06 fl rEcj 2024 rd i"B&8 eY; % ,d :i;k

अब भारत में होगी मंकी पॉक्स की जांच, डिटेक्शन के लिए विकसित हुई आरटी–पीसीआर किट

नई दिल्ली। दुनिया भर में इन दिनों मंकी पॉक्स का खतरा मंडरा रहा है। कई देशों में फैल चुकी इस बीमारी को विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने अंतरराष्ट्रीय चिंता का दूसरा सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किया है। इस वायरस का नया स्ट्रेन (क्लैड–१) अधिक संक्रामक माना जाता है और इसकी मृत्यु दर अधिक है। इस गंभीर बीमारी से निपटने के लिए अब भारत ने एमपॉक्स से लड़ने के लिए अपनी स्वदेशी आरटी–पीसीआर परीक्षण किट विकसित की है। इसे केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) द्वारा अनुमोदित किया गया है। सीमेंस हेल्थिनियर्स द्वारा प्डक्म मंकीपॉक्स डिटेक्शन आरटी– पीसीआर परख को केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठनसे विनिर्माण की मंजूरी मिल गई है। यह हमारी 'मेक इन इंडिया' पहल के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि ा है और मंकीपॉक्स सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल के खिलाफ लड़ाई में एक महत्वपूर्ण प्रगति है। **IMDX** मंकीपॉक्स डिटेक्शन आरटी–पीसीआर परख का निर्माण वडोदरा में हमारी आणविक निदान विनिर्माण इकाई में किया जाएगा, जिसकी प्रति वर्ष १ मिलियन प्रतिक्रियाओं की विनिर्माण क्षमता है। फैक्ट्री किट उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह तैयार है,'सीमेंस हेल्थकेयर प्राइवेट लिमिटेड ने कहा। **IMDX** मंकीपॉक्स डिटेक्शन आरटी–पीसीआर परख एक अभूतपूर्व आणविक निदान परीक्षण है जो वायरल जीनोम में दो अलग–अलग क्षेत्रों को लक्षित करता है, जो वायरस के क्लेड I और क्लेड II दोनों प्रकारों में फैला हुआ है। यह विभिन्न वायरल उपभेदों में गहन पहचान सुनिश्चित करता है, जिससे व्यापक परिणाम

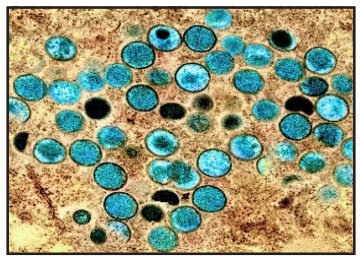

मिलते हैं। विशेष रूप से, यह परख प्लेटफॉर्म–अज्ञेय है और मानक **PCR** सेटअप के साथ मौजूदा लैब वर्कफ्लो में सहजता से फिट हो जाती है, जिससे नए उपकरणों की आवश्यकता समाप्त हो जाती है। मौजूदा **COVID** परीक्षण बुनियादी ढांचे का उपयोग करने की क्षमता दक्षता को बढ़ाएगी।ष यह आगे गया। सीमेंस हेल्थकेयर प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक हरिहरन सुब्रमण्यन ने कहा कि सटीक और सटीक निदान की आवश्यकता आज से अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। उन्होंने कहा, ष्भारत को मंकीप क्स से निपटने के लिए विशेष रूप से तैयार किए गए उन्नत परख किट उपलब्ध कराकर, हम इस बीमारी से लड़ने में सक्रिय रुख अपना रहे हैं और त्वरित और सटीक पहचान को प्राथमिकता दे रहे हैं, जो वास्तव में जीवन बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। ये किट 'देखभाल तक पहुंच' में सुधार लाने पर हमारे फोकस का प्रमाण हैं और ये परख किट उस लक्ष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं।' सीमेंस हेल्थकेयर प्राइवेट लिमिटेड के अनुसार, परीक्षण के परिणाम ४० मिनट में उपलब्ध होंगे। 'पारंपरिक तरीकों (जिसमें १–२ घंटे लगते हैं) की तुलना में केवल ४० मिनट में परिणाम उपलब्ध होने के साथ, यह जांच रिपोर्टिंग के लिए टर्नअराउंड समय को कम करने में मदद करती है, जिससे त्वरित प्रतिक्रिया मिलती है। आईसी एमआर–नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोल जी, पुणे द्वारा चिकित्सकीय रूप से मान्य, यह जांच १०० प्रतिशत की प्रभावशाली संवेदनशीलता और विशिष्टता का दावा करती है। आईएमडीएक्स मंकीपॉक्स आरटी पीसीआर परख किट भारतीय वैध ाानिक दिशानिर्देशों का पालन करती है और उच्चतम वैश्विक मानकों का अनुपालन करती है।

PM Modi ने की केरल के CM विजयन से की मुलाकात

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को दिल्ली में केरल के सीएम पिनाराई विजयन से मुलाकात की. वायनाड में भारी भूस्खलन के बाद पिनाराई विजयन ने दिल्ली का दौरा किया। बैठक की जानकारी देते हुए केरल सीएमओ ने बताया कि बैठक में वायनाड के पुनर्वास पर चर्चा हुई। इसके अलावा, राज्य सरकार ने एक अतिरिक्त, विस्तृत ज्ञापन भी प्रस्तुत किया है, जिसका केंद्र ने अनुरोध किया था। गौरतलब है कि भारी बारिश के कारण केरल के वायनाड में बड़े पैमाने पर भूस्खलन हुआ, जिसमें ३०८ लोगों की मौत हो गई, जबकि सैकड़ों लोग घायल हो गए और लापता हो गए। ३० जुलाई को हुए भूस्खलन ने विनाश का निशान छोड़ दिया, विशेष रूप से मेप्पाडी क्षेत्र के चूरलमाला और मुंडक्कई क्षेत्रों में। कठिन परिस्थितियों को देखते हुए, भारतीय सेना और वायु सेना ने

एनडीआरएफ के साथ मिलकर बचाव अभियान में कदम रखा और एक हजार से अधिक लोगों की जान बचाई। बचाव अभियान के दौरान, प्रभावित क्षेत्रों को पहुंच और लापता व्यक्तियों की बरामदगी की संभावनाओं के आधार पर छह क्षेत्रों अर्थात् जोन १ – पुंचिरीमट्टम क्षेत्र, जोन २ – मुंडेक्कई क्षेत्र, जोन ३ – स्कूल क्षेत्र, जोन ४ – चूरलमाला शहर क्षेत्र, जोन ५ – ग्राम क्षेत्र और जोन ६ – डाउनस्ट्रीम में विभाजित किया गया था। उत्तर प्रदेश सरकार ने भूस्खलन प्रभावित वायनाड जिले में राहत एवं पुनर्वास कार्यों के लिए केरल सरकार को १० करोड़ रुपये की सहायता राशि दी है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान को एक आधिकारिक पत्र के माध्यम से यह जानकारी दी। आदित्यनाथ ने एक पत्र में कहा कि इस कठिन परिस्थिति के दौरान उनकी सरकार और उप्र के लोग केरल के लोगों के साथ एकजुटता से खड़े हैं।

योगगुरु स्वामी रामदेव की सीएम योगी से भेंट

लखनऊ। पतंजलि योगपीठ के संस्थापक, विश्व विख्यात योगगुरु स्वामी रामदेव ने जन्माष्टमी के पावन अवसर पर सोमवार रात गोरखनाथ मंदिर में मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाध ीश्वर योगी आदित्यनाथ से शिष्टाचार भेंट की। स्वामी रामदेव गोरखनाथ मंदिर पहुंचने पर काफी भाव विह्वल नजर आए। सोमवार रात गोरखनाथ मंदिर पहुंचे स्वामी रामदेव ने सबसे पहले गुरु गोरखनाथ के दरबार में हाजिरी लगाई। उन्होंने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विधि विधान से शिवावतार भगवान गोरखनाथ का दर्शन पूजन किया। दंडवत होकर श्रद्धा निवेदित की। इसके बाद वह राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज की समाधि स्थल पर गए और ब्रह्मलीन महंत जी की प्रतिमा के समक्ष मत्था टेककर विनम्र

श्रद्धांजलि अर्पित की। दर्शन पूजन के उपरांत उन्होंने रात में ही गोरखनाथ मंदिर में श्रीष्ण जन्माष्टमी मनाने पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शिष्टाचार भेंट की। स्वामी रामदेव ने गोरक्षपीठाधीश्वर को प्रणाम करने के बाद गुलाब के फूलों की माला पहनाकर उनका अभिनंदन किया। सीएम योगी ने भी पुष्प गुच्छ देकर स्वामी रामदेव का स्वागत किया। मंदिर का परंपरागत प्रसाद ग्रहण करने के साथ ही स्वामी रामदेव ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से योग, सामाजिक और राष्ट्रीय जागरण के मुद्दों पर विमर्श किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्वामी रामदेव को अपने गुरुदेव की स्मृति में तीन खंडों में संकलित ग्रंथ 'राष्ट्रीयता के अनन्य साधक महंत अवेद्यनाथ' की प्रतियां भेंट कीं।

बसपा मायावती की लीडरशिप में ही लड़ेगी यूपी विधान सभा और उप चुनाव

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की कमान पूर्व की तरह सुश्री मायावती के हाथों में ही रहेगी। उनके एक बार फिर बीएसपी के अध्यक्ष चुने जाने के बाद उन अटकलों पर भी विराम लग गया जो उनके राजनीति से सन्यास लेने की खबरों से जुड़े हुए थे। लखनऊ में राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में मायावती को एक बार फिर राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गया तो बीएसपी कार्यकर्ताओं में जबर्दस्त उत्साह का माहौल दिखा। माया एक बार फिर सर्वसम्मति से पांच वर्ष के लिए बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष चुनी गईं हैं। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव सतीश चंद्र मिश्र ने मायावती को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाने के लिए प्रस्ताव रखा था,इससे यह भी साबित हो गया है कि बसपा में सतीश को साइड लाइन नहीं किया गया है। मायावती अगले पांच वर्षो तक पार्टी अध्यक्ष रहेंगी, जिसका मतलब यह हुआ कि उनके सामने २०२२ में विधान सभा और २०२६ में लोकसभा चुनाव में अच्छा प्रदर्शन करने की चुनौती होगी। इस दौरान दस विधान सभा सीटों पर भी उप चुनाव भी होना है। बसपा सुप्रीमो लंबे समय से उपचुनाव से दूरी बनाए हुए थी लेकिन उत्तर प्रदेश की १० विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव को लेकर वह एक्शन में नजर आ रही हैं। सभी १० सीटों पर बसपा ने चुनाव लड़ने का एलान किया है। जिसमें मीरापुर से चंद्रशेखर आजाद के करीबी नेता प्रधान शाह को, मिल्कीपुर विधानसभा सीट से रामगोपाल कोरी को बसपा उम्मीदवार घोषित किया है। माया के सामने आजाद पार्टी के अध्यक्ष और सांसद चन्द्रशेखर रावण एक अलग चुनौती होंगे,जो बसपा के दलित वोटरों पर अपनी नजर जमाये हुए हैं। मायावती

१८ सितंबर, २००३ से लगातार पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष चुनी जा रही हैं। उन्होंने एक दिन पूर्व सोमवार को संन्यास लेने की खबरों का खंडन करते हुए स्पष्ट कर दिया था कि वे राष्ट्रीय अध्यक्ष बनी रहेंगी। ऐसे में मंगलवार की कार्यकारिणी में एक बार फिर उनका अध्यक्ष चुना जाना तय था। लखनऊ में बसपा कार्यालय में राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक बुलाई गई। इसमें जम्मू–कश्मीर, हरियाणा और महाराष्ट्र में होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारियों के साथ–साथ प्रदेश की १० सीटों पर होने वाले उपचुनाव को रणनीति पर भी मंथन किया गया।

सम्पादकीय

भारत को सीख लेनी चाहिए।

विश्व बैंक ने भारत को माकूल चेतावनी दी है। कहा है कि १०० से अधिक देशों को उच्च–आय वाला देश बनने की राह में गंभीर बाधाओं से रू–ब–रू होना पड़ सकता है। इनमें भारत भी है। बैंक ने ऐसे देशों को 'मध्यम–आय के जाल' से बचने की सलाह दी है। "वर्ल्ड डेवलपमेंट रिपोर्ट २०२४: द मिडल इनकम ट्रैप" में कहा गया है कि जब देश अमीर होते हैं, तो एक हद पर आकर उनकी प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि ठहर जाती है। ऐसा कुछ ठोस वजहों और कुछ नीतिगत अस्थिरता के कारण होता है। बैंक ने ध्यान दिलाया है कि १९६० के बाद से केवल ३४ मध्य आय वाले देश ही उच्च–आय वाले देशों की श्रेणी में जा सके। इनमें से एक तिहाई से अधिक देश वे हैं, जो यूरोपीय संघ में शामिल हुए या फिर वे देश हैं, जहां तेल के भंडार मिले। विश्व बैंक के मुताबिक भारत को इस तजुर्बे से सीख लेनी चाहिए। भारत अपने आर्थिक विकास के महत्त्वपूर्ण मोड़ पर खड़ा है। भारत दुनिया की सबसे गतिशील अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। मगर भारत को कई चुनौतियों का सामना भी करना पड़ रहा है। ये चुनौतियां उसकी प्रगति को बाधित कर सकती हैं। मसलन, छोटे व्यवसायों की चुनौती देश के लिए एक बड़ी बाधा बन सकती है। भारत में आम तजुर्बा यह है कि छोटी कंपनियों के आगे बढ़ने में कठिनाई पेश आती है। रिपोर्ट के अनुसार भारत में लगभग ६० फीसदी कंपनियों में पांच से कम कर्मचारी हैं। उनमें से कुछ ही कंपनियां १० से अधिक कर्मचारियों तक बढ़ पाती हैं। यह प्रवृत्ति भारतीय व्यवसायिक माहौल में नियम और बाजार संबंधी बाधाओं का संकेत देती है। कहा गया है कि भारत का मानव संसाधन उसकी सबसे बड़ी संपत्तियों में एक है, मगर प्रतिभाओं के पलायन की चुनौती उसके लिए चिंता का विषय है। इसलिए बैंक ने सुझाव दिया है कि भारत को उच्च कुशल श्रमिकों को प्रशिक्षित करने की क्षमता बढ़ानी चाहिए। बेशक इस रिपोर्ट में कई पहलू हैं, जिन पर गंभीरता से विचार होना चाहिए। चुनौतियों को नजरअंदाज कर सिर्फ ढोल बजाना अपने लिए जोखिम मोल लेना साबित होगा।

फर्जी जन्म व मृत्यु प्रमाण पत्र बनाने वाले गिरोह एक और सदस्य गिरफ्तार

लखनऊ। रायबरेली जनपद में ग्राम विकास अधिकारी की जन्म–मृत्यु प्रमाण पत्र पोर्टल की आईडी का गलत इस्तेमाल कर फर्जी प्रमाण–पत्र देने के मामले में एटीएस को बड़ी सफलता मिली है। इस मामले में फरार चल रहे एक आरोपित को एटीएस ने गिरफ्तार कर लिया है। एटीएस की गिरफ्त में आया आरोपित बिहार के दरभंगा का रहने वाला है। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने २५ हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। आरोपित ने बताया कि दो वर्ष में उसने यूपी–बिहार के चार लाखों के फर्जी जन्म प्रमाण–पत्र और लगभग पांच हजार लोगों के फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र बनाए है। एटीएस के आईजी नीलाब्जा चौधरी का कहना है कि रायबरेली जनपद में जन्म व मृत्यु प्रमाण पत्र का फर्जीवाड़ा सामने आने पर सलोन थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। पूर्व में इस खेल में शामिल १७ आरोपितों की गिरफ्तार की जा चुकी है। उनकी निशानदेही पर एटीएस को दरभंगा बिहार निवासी रविकेश के बारे में जानकारी हुई। उन्होंने बताया कि दर्ज प्राथमिकी में रविकेश नामजद था। शनिवार रात रविकेश के लखनऊ में होने की सूचना प्राप्त हुई थी। इसके बाद एटीएस ने घेरा बंदी कर रविकेश गिरफ्तारी की। पूछताछ में आरोपित ने बताया कि वर्ष २०२२ में उसने पोर्टल **www-crsogovr-in** और वर्ष २०२३

में **www-thedashboard-in** बनाया था। सोशल मीडिया प्लेटफार्म के माध्यम से उनसे यूपी और बिहार में अपने गिरोह की जड़ें मजबूत कर ली थी। इस खेल में तमाम जनसुविधा केंद्र संचालक भी शामिल थे। उसके पोर्टल पर करीब ४१०० यूजर दिख रहे हैं। इसमें १५०० यूजर लगातार सक्रिय है। आरोपित ने बताया कि फर्जी प्रमाण पत्र से उसे चार हजार रुपये की कमाई रोज होती थी, उसने दो वर्षों मे यूपी–बिहार के करीब पांच लाख से भी ज्यादा लोगों के फर्जी प्रमाण पत्र बनाए थे। इसमें चार लाख फर्जी जन्म प्रमाण पत्र और पांच हजार फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र बनाए थे। वर्ष २०२२ में आरोपित को गिरोह के सदस्यों से जन्म–मृत्यु प्रमाण पत्र बनाने वाले सरकारी पोर्टल **www-crsorgi-gov-in** के अलग– अलग यूजर नेम व पासवर्ड मिले। इस पर ओटीपी डालकर उसने कई प्रमाणपत्र बनवाए थे। रायबरेली के ग्राम विकास अधिकारी की मूल आईडी व पासवर्ड का दुरुपयोग कर जब फर्जी प्रमाण पत्र बनाए जाने लगे जब उसके गिरोह का खुलासा हो गया था। जिसके बाद पुलिस ने आरोपित, विजय यादव, जीशान खान, सुहेल, रियाज, गोविन्द केशरी, आकाश, सलमान अली उर्फ गुरु, संजीव सिंह, वैभव उपाध्याय, शाहनवाज, आरिफ अली, शहनवाज, धीरज, राजन उर्फ देवमणि, नीरज, अरमान और सतीश सोनी की गिरफ्तारी की है। इसके अलावा आरिफ समेत सात आरोपितों की गिरफ्तारी एटीएस के द्वारा की जा चुकी है।

यूनिफाइड स्कीम से नहीं पुरानी पेंशन से होगा कर्मचारियों का भला

लखनऊ। इंडियन पब्लिक सर्विस इंप्लाइज फेडरेशन ने यूनिफाइड पेंशन स्कीम को लेकर बड़ी बात कही है। इप्सेफ की तरफ से कहा गया है कि यूपीएस यानी यूनिफाइड पेंशन स्कीम से कर्मचारियों का भला नहीं होगा। कर्मचारियों को पुरानी पेंशन स्कीम ही चाहिए। इप्सेफ ने यह भी कहा है कि हमारी तीन मांगे हैं जिसमें पुरानी पेंशन,राष्ट्रीय वेतन आयोग का गठन, आउटसोर्स कर्मचारी की सेवा सुरक्षा तथा न्यूनतम वेतन सहित नियमित सेवा में वरीयता की नियमावली बनाना शामिल है। केंद्र सरकार इन मांगो पर सार्थक निर्णय करे, तभी कर्मचारियों का भला हो सकता है। इप्सेफ की तरफ से जानकारी दी गई है, इन तीनों मांगों पर भारत सरकार के सार्थक निर्णय के अलावा कोई समझौता स्वीकार नहीं होगा। वहीं सरकार की इस घोषणा के बाद दिल्ली इंडियन पब्लिक सर्विस एम्पलाइज फेडरेशन की राज्य इकाई ने १२ सितंबर को संसद पर प्रदर्शन का ऐलान किया है। इप्सेफ के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीपी मिश्रा ने बताया कि हमारी तीन मांगे हैं। इन मांगो को लेकर ज्ञापन भी रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को सौंपा गया था। जिसके बाद रक्षा मंत्री ने इप्सेफ के प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया था कि इप्सेफ की मांगों पर प्रधानमंत्री से बातचीत कर निराकरण कराएंगे। इस संबंध में कार्मिक सचिव से वार्ता हुई थी, बाद में पेंशन बहाली समिति का गठन भी इप्सेफ के अनुरोध पर ही हुआ था, लेकिन समिति की तरफ से की गई संस्तुतियों के बारे में कोई निर्णय अभी तक नहीं किया गया। इप्सेफ के महासचिव प्रेम चन्द और राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सतीश पांडेय ने बताया कि पिछला वेतन आयोग २ वर्ष पहले ही गठित हो गया था, जिसका लाभ १ जनवरी २०१६ से लागू कर दिया गया था उसी तरह आठवें वेतन आयोग का गठन भी चाहिए। उप महासचिव अतुल मिश्रा, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष शशि कुमार मिश्रा और सुरेश रावत ने कहा कि उत्तर प्रदेश में दैनिक मजदूरी करने वाले कर्मचारियों के नियमितीकरण की भांति आउटसोर्स कर्मचारियों के लिए भी विनियमितीकरण की नीति बनाई जानी चाहिए। इप्सेफ नेताओं ने देश भर के करोड़ों कर्मचारियों से अपील की है कि तीनों मांगों को पूरा करने के लिए अभी समय है। मांगे पूरी न होने पर २ अक्टूबर को आंदोलन करने का संकल्प करेंगे और आगे होने वाले आंदोलन में पूरी भागीदारी करेंगे। इप्सेफ ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से अपील की है कि तीनों मांगों को पूरा करने में पूरा सहयोग करें देशभर का कर्मचारी आभार व्यक्त करेगा। भारत सरकार निर्णय नहीं करेगी तो आने वाले चुनाव में भाजपा को भारी क्षति उठानी पड़ेगी।

जबरन गर्भपात कराया, छह माह का भ्रूण आंगन में दफनाया

लखनऊ। मध्य प्रदेश निवासी ससुरालवालों ने महिला का जबरन गर्भपात कराकर छह माह के भ्रूण को आंगन में दफना दिया। दोबारा गर्भवती होने पर महिला को पीट कर घर से निकाल दिया। चिनहट निवासी पीड़िता की तरफ से

डाकपैड से मिले लेटर के आधार पर पुलिस ने आरोपियों पर विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक, क्षेत्र कल्याणी बिहार निवासी पूजा शर्मा की तरफ से प्रार्थना–पत्र मिला है। इसमें उसने बताया कि शादी वर्ष २०१६ को अनिल शर्मा निवासी मोहल्ला चुनकाई, जिला कटनी, मध्य प्रदेश के साथ हुई थी। आरोप है कि शादी के बाद से ही पति सास पुष्पा देवी, ससुर बिहारी लाल, ननद शीला व रानी कम दहेज लाने का ताना देकर प्रताड़ित करने लगे थे। छह महीने की गर्भवती होने पर ससुराल वालों ने जबरन गर्भपात करा कर भ्रूण आंगन में दफन कर दिया। दोबारा गर्भवती होने पर प्रताड़ना से तंग आकर वह मायके आ गई। जहां वर्ष २०२२ में बच्ची को जन्म दिया, तब ससुराल वाले नहीं आए। वर्ष २०२३ में पुनः गर्भवती होने पर मारपीट कर घर से निकाल दिया। इंस्पेक्टर का कहना है कि डाकपैड से मिले लेटर के आधार पर ससुरालवालों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। जांच में मिले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जायेगी।

भिक्षुक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

लखनऊ।पारा थाना अंतर्गत बुद्धेश्वर मंदिर परिसर में घूम–घूमकर श्रद्धालुओं से भीख मांगने वाले एक भिक्षुक की सोमवार को संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। सूचना मिलते ही घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फिलहाल, भिक्षुक की शिनाख्त नहीं हो सकी है। प्रभारी निरीक्षक बृजेश वर्मा ने बताया कि प्रथम दृष्या में भिक्षुक की मौत किसी बीमारी के कारण हुई है, हालांकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण स्पष्ट होगा।

स्वास्थ्यकर्मियों का संघर्ष लाया रंग

लखनऊ। कोरोना काल में आउटसोर्सिंग के माध्यम से रखे गये डॉक्टर, नर्स, नॉन मेडिकल साइंटिस्ट, कंप्यूटर ऑपरेटर, लैब टेक्नीशियन, लैब अटेंडेंट का संघर्ष रंग लाया है। चिकित्सा स्वास्थ्य, परिवार कल्याण प्रमुख सचिव पार्थ सारथी सेन शर्मा ने स्वास्थ्यकर्मियों के समायोजन के निर्देश जारी कर दिये हैं। दरअसल, कोरोना काल में आउटसोर्सिंग के जरिए डॉक्टर, नर्स, नॉन मेडिकल साइंटिस्ट, कंप्यूटर ऑपरेटर, लैब टेक्नीशियन, लैब अटेंडेंट जैसे तमाम पदों पर लोगों की भर्तियां हुई थीं। संयुक्त राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन कर्मचारी संघ के महामंत्री योगेश उपाध्याय ने बताया है कि आउटसोर्सिंग पर तैनात इन सभी स्वास्थ्य कर्मियों ने कोविड के समय अपने जीवन की परवाह न करते हुए कोरोना जैसी महामारी को हराने में अहम भूमिका निभाई, लेकिन जैसे ही कोविड का दौर खत्म हुआ। इन्हें हटाने का फरमान जारी हो गया। हालांकि सरकार ने उनकी समस्याओं को समझा और उनके समायोजन की बात की। इसके बाद भी समायोजन के लिए इन कार्मिकों को लंबा संघर्ष करना पड़ा। मंगलवार को प्रमुख सचिव की तरफ से इन सभी कार्मिकों के समायोजन के लिए पत्र जारी किया गया है।

सरकारी नीतियां बनाने का आधार बनेगा राष्ट्रीय चिकित्सा रजिस्टर

लखनऊ। बहुप्रतीक्षित राष्ट्रीय चिकित्सा रजिस्टर (एनएमआर) लॉन्च हो जाने के बाद केन्द्र और राज्य सरकारों को जनस्वास्थ्य के क्षेत्र में नीतियां तय करने में सुगमता हो जा जाएगी। इस डेटा बेस से देश में एलोपैथिक डॉक्टरों की न केवल वास्तविक संख्या सामने आ जाएगी बल्कि यह भी तय हो जाएगा कि एक मरीज पर कितने डॉक्टर हैं और वे किस क्षेत्र के चिकित्सा विशेषज्ञ हैं। इतना ही नहीं, कोविड जैसी आपदा के समय सरकारों को चुनौतियों का प्रबंधन करने में भी आसानी होगी। दरअसल, केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने बीते दिनों बहुप्रतीक्षित राष्ट्रीय चिकित्सा रजिस्टर (एनएमआर) लॉन्च किया है। इसके बाद अब एमबीबीएस, एमडी, एमएस, सुपर विशेषज्ञों सहित आधुनिक चिकित्सा का अभ्यास करने वाले सभी डॉक्टरों को राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) के साथ खुद को फिर से पंजीकृत करना होगा। इस रजिस्टर (पोर्टल) को नेशनल मेडिकल कमिशन (एनमसी) और नेशनल हेल्थ अथ रिटी ने मिलकर तैयार किया है। यह भारत में सभी एलोपैथिक (एमबीबीएस) पंजीत डॉक्टरों के लिए एक व्यापक और महत्वपूर्ण डेटाबेस होगा। इसका अहम उद्देश्य प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मंशानुरुप हेल्थ इकोसिस्टम भी डिजिटल रूप से मजबूत करना और लोगों के लिए गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा सुनिश्चित करना है। नेशनल मेडिकल रजिस्टर एनएमसी एक्ट २०१६ की धारा ३१ के तहत जरूरी है। इस अ नलाइन कवायद से देश में कुल डॉक्टरों की संख्या, देश छोड़ने वालों, प्रैक्टिस करने का लाइसेंस खोने

वालों या जान गंवाने वाले डॉक्टरों की संख्या और विवरण जैसे पहलुओं की विस्तृत और समग्र तस्वीर सामने आएगी। इससे १३ लाख से अधिक डॉक्टरों के डेटा का सुनिश्चित होगा। एनएमआर को आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के तहत हेल्थकेयर प्रोफेशनल रजिस्ट्री का हिस्सा बनाया गया है, जिसमें मेडिकल प्रोफेशनल्स का पूरा विवरण होगा। पंजीकरण के बाद देश के सभी डॉक्टरों को यूनीक आईडी मिलेगी। दरअसल, वन नेशन वन रजिस्ट्रेशन की तर्ज पर नेशनल मेडिकल रजिस्टर को लागू किया गया है। इससे एमबीबीएस पास करते ही ड क्टर का एनएमआर पर रजिस्ट्रेशन हो जाएगा और इससे अलग–अलग राज्यों में रजिस्ट्रेशन से लेकर किसी भी तरह की गड़बड़ी की संभावना खत्म हो सकेगी। इसके बाद सरकार पैरामेडिक्स और अन्य स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों के लिए भी इसी तरह का रजिस्टर शुरू करने की दिशा में आगे बढ़ेगी। पीएमएस अध्यक्ष डॉ. सचिन वैश्य ने बताया कि यह एक अच्छी पहल है, इससे न केवल वास्तविक डॉक्टरों की संख्या स्पष्ट होगी बल्कि मरीजों की बढ़ती संख्या के मद्देनजर किस क्षेत्र के कितने विशेषज्ञ हैं, का भी पता चल जाएगा। इससे डबल्यूएचओ के मानकों को पूरा करने की दिशा भी तय होगी। प्लास्टिक सर्जन डॉ आदर्श कुमार ने बताया कि डॉक्टरों का डेटा बेस होने से सरकार को नीतियां बनाने में आसानी होगी। लीगल मामलों में भी जवाबदेही इस आधार पर तय करना सुगम होगा। यह भी स्पष्ट होगा कि कोई ड क्टर जिस बीमारी का इलाज कर रहा है उसका एक्सपर्ट है भी या नहीं।

३ दिन में ६३ हजार से अधिक अभ्यर्थियों ने छोड़ी परीक्षा, कई नकलची पकड़े गए

लखनऊ। यूपी पुलिस सिपाही भर्ती परीक्षा २०२४ के लिए राजधानी में ८१ केंद्र बनाए गए हैं। सख्ती के कारण गुरुवार से अब तक ६३ हजार से अधिक अभ्यर्थियों ने परीक्षा छोड़ दी। अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र के अंदर सिर्फ प्रवेश पत्र, आधार कार्ड और दो पेन लेकर ही जाने की इजाजत है। बाकी सामान केंद्र के बाहर ही रखवा दिए जा रहे हैं। सख्ती ऐसी है कि महिला अभ्यर्थियों के बाल के जूड़ा तक खुलवा दिए जा रहे हैं। परीक्षार्थियों के हाथ में बंधे धागे, कलावा, जूते–मोजे उतरवा दिए गए। किसी तरह के इलेक्ट्र निक सामान परीक्षा कक्ष में नहीं ले जाने दिया गया। ड्रोन से निगरानी की जा रही थी। दूसरी ओर पहले दिन ६१ संदिग्ध परीक्षार्थी पकड़ थे, दूसरे दिन ७२ संदिग्ध परीक्षार्थी भी भर्ती बोर्ड की पकड़ में आए हैं। २३ और २४ अगस्त को आयोजित हुई परीक्षा के दौरान १७ नकलची भी पकड़े गए हैं और विभिन्न जिलों में १५ के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई गई है। पेपर देकर निकले परीक्षार्थियों ने कहा कि पेपर तो आसान था लेकिन रीजनिंग और मैथ ने उलझा दिया। हिंदी का पेपर पिछली बार से ज्यादा टफ था। भर्ती बोर्ड की तरफ से जारी सूचना में पहले दिन २२ हजार से अधिक अभ्यर्थियों ने परीक्षा छोड़ी थी। वहीं, दूसरे दिन भी आंकड़ा २१ हजार और तीसरे दिन १६५०० के करीब है। पुलिस सोशल मीडिया पर लगातार निगरानी रख रही है। परीक्षा का पेपर लीक करने का दावा और इस तरह की भ्रामक सूचना प्रसारित करने वालों पर सख्ती की जा रही है। दो दिन में दो रिपोर्ट हुसैनगंज थाने में दर्ज कराए गए। इसमें सपा के पूर्व मंत्री भी शामिल हैं। वहीं, प लीटेक्निक परीक्षा केंद्र के बाहर से शनिवार को स ल्वड पेपर देने का दावा कर ठगी करने वाले गिरोह के एक सदस्य को एसटीएफ ने दबोच लिया था। परीक्षा छूटने के बाद केंद्रों के बाहर भीड़ अधिक होने के कारण जाम लग जा रहे हैं। स्थिति से निपटने के लिए कमिश्नरेट पुलिस के जवान तैनात किए गए है। यातायात पुलिस के सिपाही व टीएसआई भी ड्यूटी पर मुस्तैद है। जाम में अभ्यर्थियों को बाहर निकलने में लगातार मदद कर रहे हैं। कानपुर देहात के मियानी मलगांव महेरा का रहने वाला जीतू कुमार लखनऊ में सिपाही भर्ती की परीक्षा देने आया था। रविवार को परीक्षा देने के बाद वह घर जाने के लिए बस पकड़ने आलमबाग बस अड्डे गया। वहां उसका ब्लडप्रेशर हाई हो गया। जिसके कारण वह गश खाकर गिर गया। बेसुध पड़े जीतू को वहां हेल्प डेस्क पर तैनात पुलिसकर्मियों ने उठाया। हेल्प डेस्क में ले जाकर पानी का छींटा मारा। इसके बाद होश में आने के बाद प्राथमिक उपचार कराकर बस में कानपुर भेजा।

मायावती एक बार फिर चुनी गईं बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष

लखनऊ। मायावती मंगलवार को एक बार फिर से बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष चुनी गईं। यह घटनाक्रम उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री के इस दावे के एक दिन बाद आया है कि वह सक्रिय राजनीति से संन्यास नहीं लेने जा रही हैं। उन्होंने कहा था कि मैं सक्रिय राजनीति से संन्यास नहीं ले रही हूं और श्जातिवादी मीडियाश मेरे खिलाफ ऐसी फर्जी खबरें फैला रहा है। ६८ वर्षीय बसपा अध्यक्ष उत्तर प्रदेश के चार बार पूर्व मुख्यमंत्री हैं। बसपा ने अपने बयान में कहा कि उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती को बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की कार्यकारिणी की मंगलवार को लखनऊ में आयोजित बैठक में एक बार फिर सर्वसम्मति से बसपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गया। बसपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की २७ अगस्त को लखनऊ स्थित पार्टी कार्यालय में होने वाली बैठक को लेकर मीडिया में यह अटकलें लगायी जा रहीं थी कि मायावती अपने भतीजे आकाश आनन्द का कद बढ़ा सकती हैं। इसके अलावा उनके संन्यास लेने की भी अटकलें थीं। बसपा प्रमुख ने सोमवार को एक्ष्स पर अपने आधिकारिक खाते पर कहा बहुजनों के अम्बेडकरवादी कारवां को कमजोर करने की विरोधि ायों की साजिशों को विफल करने और बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर एवं कांशीराम जी की तरह ही मेरी जिन्दगी की आखिरी सांस तक बसपा के आत्म–सम्मान व स्वाभिमान आंदोलन को समर्पित रहने का फैसला अटल है। उन्होंने अगली पोस्ट में कहा अर्थात सक्रिय राजनीति से मेरा संन्यास लेने का कोई सवाल ही पैदा नहीं होता है। जबसे पार्टी ने आकाश आनन्द को मेरे ना रहने पर या अस्वस्थता की स्थिति में बसपा के उत्तराधिकारी के रूप में आगे किया है तबसे जातिवादी मीडिया ऐसी फर्जी खबर प्रचारित कर रहा है जिससे लोग सावधान रहें। मायावती ने यह भी कहा पहले भी मुझे राष्ट्रपति बनाए जाने की अफवाह उड़ाई गयी, जबकि कांशीराम जी ने ऐसी ही पेशकश को यह कहकर ठुकरा दिया था कि राष्ट्रपति बनने का मतलब है सक्रिय राजनीति से सन्यास लेना जो पार्टी हित में उन्हें गवारा नहीं था।

मायावती ने सपा-कांग्रेस पर कसा तंज, कहा- सक्रिय राजनीति से सन्यास का इरादा नहीं

लखनऊ। सक्रिय राजनीति से सन्यास लेने की अटकलों को सिरे से नकारते हुये बहुजन समाज पार्टी (बसपा) अध्यक्ष मायावती ने सोमवार को कहा कि वह अपनी अंतिम सांस तक पार्टी मूवमेंट से जुड़ी रहेंगी। उन्होंने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी (सपा) से जुड़ने की अफवाहों पर भी विराम देते हुये दोनों ही दलों पर तंज कसे। मायावती ने एक्स पर पोस्ट किया " बहुजनों के अम्बेडकरवादी कारवाँ को कमजोर करने की विरोधि ायों की साजिशों को विफल करने के संकल्प हेतु बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर एवं मान्यवर श्री कांशीराम जी की तरह ही मेरी जिन्दगी की आखिरी सांस तक बीएसपी के आत्म–सम्मान व स्वाभिमान मूवमेन्ट को समर्पित रहने का फैसला अटल।" उन्होने कहा" सक्रिय राजनीति से मेरा सन्यास लेने का कोई सवाल ही पैदा नहीं होता है। जबसे पार्टी ने आकाश आनन्द को मेरे ना रहने पर या अस्वस्थ विकट हालात में उसे बीएसपी के उत्तराधिकारी के रूप में आगे किया है तबसे जातिवादी मीडिया ऐसी फेक न्यूज प्रचारित कर रहा है जिससे लोग सावधान रहें।" बसपा अध्यक्ष ने कहा " पहले भी मुझे राष्ट्रपति बनाए जाने की अफवाह उड़ाई गयी, जबकि मान्यवर श्री कांशीराम जी ने ऐसे ही आफर को यह कहकर ठुकरा दिया था कि राष्ट्रपति बनने का मतलब है सक्रिय राजनीति से सन्यास लेना जो पार्टी हित में उन्हें गवारा नहीं था, तो फिर उनकी शिष्या को यह स्वीकारना कैसे संभव।" मायावती ने कहा " सपा जिसने २ जून १६६५ में बीएसपी द्वारा समर्थन वापिसी पर मुझ पर जानलेवा हमला कराया था तो इस पर कांग्रेस कभी क्यों नहीं बोलती है जबकि उस दौरान्

केन्द्र में रही कांग्रेसी सरकार ने भी समय से अपना दायित्व नहीं निभाया था। तभी फिर श्री कांशीराम जी को अपनी बीमारी की गम्भीर हालत में भी ह स्पिटल छोड़कर रात को इनके मा. गृह मन्त्री को भी हड़काना पड़ा था तथा विपक्ष ने भी संसद को घेरा, तब जाकर यह कांग्रेसी सरकार हरकत में आई थी।" उन्होने कहा कि उस समय केन्द्र की कांग्रेसी सरकार की भी नीयत खराब हो चुकी थी, जो कुछ भी अनहोनी के बाद यहाँ यूपी में राष्ट्रपति शासन लगाकर, पर्दे के पीछे से अपनी सरकार चलाना चाहती थी, जिनका यह षड़यन्त्र बीएसपी ने फेल कर दिया था। साथ ही, उस समय सपा के आपराधिक तत्वों से बीजेपी सहित समूचे विपक्ष ने मानवता व इन्सानियत के नाते मुझे बचाने में जो अपना दायित्व निभाया है तो इसकी कांग्रेस को बीच–बीच मे तकलीफ क्यों होती रहती है, लोग सचेत रहें। इसके इलावा, बीएसपी वर्षों से जातीय जनगणना के लिए पहले केन्द्र में कांग्रेस पर और अब बीजेपी पर भी अपना पूरा दबाव बना रही है, जिसकी पार्टी वर्षों से इसकी पक्षधर रही है तथा अभी भी है लेकिन जातीय जनगणना के बाद, क्या कांग्रेस एससी, एसटी व ओबीसी वर्गों का वाजिब हक दिला पायेगी जो एससीएसटी आरक्षण में वर्गीकरण व क्रीमीलेयर को लेकर अभी भी चुप्पी साधे हुए है, जवाब दे।

योगी कैबिनेट का बड़ा फैसला, 24 साल बाद बढ़ाई संस्कृत विद्यालयों और महाविद्यालयों के विद्यार्थियों की छात्रवृत्ति

लखनऊ। योगी कैबिनेट ने मंगलवार को बड़ा निर्णय लेते हुए २४ साल बाद प्रदेश में संस्कृत विद्यालयों और महाविद्यालयों के विद्यार्थियों की छात्रवृत्ति में वृद्धि का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अगुवाई में लोकभवन में आयोजित मंत्रिमंडल की बैठक में उत्तर प्रदेश में संस्कृत विद्यालयों और महाविद्यालयों में अध्ययन करने वाले छात्र–छात्राओं के लिए वर्ष २००१ से लागू वर्तमान छात्रवृति दरों में संशोधन व वृद्धि के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की है। मालूम हो कि संस्कृत विद्यालयों और महाविद्यालयों के विद्यार्थियों की छात्रवृत्ति को २४ साल बाद बढ़ाया गया है। इससे पूर्व आखिरी बार २००१ में छात्रवृत्ति तय हुई थी। उल्लेखनीय है कि मंत्रिमंडल की बैठक में कुल १४ प्रस्ताव रखे गए, जिसमें १३ प्रस्तावों को मंत्रिमंडल से अनुमोदन प्राप्त हो गया। माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी ने इस प्रस्ताव के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मंत्रिमंडल ने माध्यमिक शिक्षा विभाग से संबंधित इस महत्वपूर्ण प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की है। इसके अंतर्गत प्रथमा के कक्षा ६ एवं ७ के लिए ५० रुपए प्रतिमाह और कक्षा ८ के लिए ७५ रुपए प्रतिमाह निर्धारित किए गए हैं। इसके साथ ही, पूर्व मध्यमा (कक्षा ६ व १०) के लिए १०० रुपए, उत्तर मध्यमा (कक्षा ११ व १२) के लिए १५० रुपए, शास्त्री के लिए २०० रुपए एवं आचार्य के लिए २५० रुपए प्रति माह की दर से दिए जाने के प्रस्ताव पर मंत्रिपरिषद द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया। माध्यमिक शिक्षा मंत्री ने बताया कि संस्कृत की शिक्षा ग्रहण करने वाले ज्यादातर छात्र और छात्राएं निर्धन परिवारों की पृष्ठभूमि से होते हैं, इसलिए संस्कृत शिक्षा के अंतर्गत प्रथमा कक्षा छ और सात और आठ के छात्रों को छात्रवृत्ति दिए जाने की व्यवस्था की गई है। ६ और ७ के बच्चों को पहले छात्रवृत्ति दिए जाने की कोई व्यवस्था नहीं थी, लेकिन अब मुख्यमंत्री के निर्देश पर सरकार ने उन्हें भी छात्रवृत्ति प्रदान करने का निर्णय लिया है। छात्रवृत्ति में जो संशोधन किया गया है वो पहले

की तुलना में कहीं ज्यादा है। इसका लाभ सीधे–सीधे विद्यार्थियों को प्राप्त होगा। यह निर्णय संस्कृत शिक्षा को प्रोत्साहित करने के लिए किया गया है। इसमें पहले कैपिंग थी कि ५० हजार रुपए वार्षिक आय वाले ही इसमें पात्र होंगे, लेकिन अब इस शर्त को हटा लिया गया है। अब इसमें आय वर्ग का कोई कैप नहीं है। किसी प्रकार का कोई भी व्यक्ति चाहे किसी आय वर्ग का हो, अगर वो संस्कृत का विद्यार्थी बनेगा तो उसे छात्रवृत्ति का लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि संस्कृत ही सभी भाषाओं की जननी है, इसलिए सरकार पूरी तरीके से इस पर ध्यान दे रही है। वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि प्रदेश में कुल ५१७ संस्कृत विद्यालय हैं, जहां विद्यार्थी इस योजना का लाभ ले सकेंगे। उत्तर प्रदेश में आने वाले देशी विदेशी पर्यटकों को बेहतर आवासीय एवं खान–पान की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए योगी सरकार ने उत्तर प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम लि. द्वारा संचालित पर्यटक आवास गृहों को प्रबंधकीय संविदा के आधार पर निजी उद्यमियों के माध्यम से संचालित कराने की समयसीमा को ५ वर्ष से बढ़ाकर ३० वर्ष (१५१५) कर दिया है। पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि विगत कुछ वर्षों में उत्तर प्रदेश में आने वाले देशी और विदेशी पर्यटकों की संख्या में तेजी से वृद्धि हुई है। २०१६–१७ में लगभग १६ करोड़ पर्यटक आए थे तो २०२३ में ४८ करोड़ पर्यटक उत्तर प्रदेश में आए। इस साल इसमें और वृद्धि होने की संभावना है। वहीं २०२५ में महाकुंभ भी है, जिसमें बड़ी संख्या में पर्यटक प्रदेश में आएंगे। उनके ठहरने और खाने–पीने की व्यवस्था संभव हो सके, इसके लिए पर्यटन विकास निगम के पर्यटक आवास गृह संचालित किए जा रहे हैं। इनमें तमाम पर्यटक आवास गृह ऐसे हैं जो जीर्ण शीर्ण अवस्था में है और कर्मचारियों की कमी से भी जूझ रहे हैं। ऐसे में प्रदेश में निजी पर्यटन उद्यमियों को प्रोत्साहित करने एवं रोजगार के नए अवसर सृजित करने के उद्देश्य से निगम द्वारा संचालित इकाइयों को चरणबद्ध तरीके से न्यूनतम १५ वर्ष की अवधि एवं आगामी १५ वर्षों के लिए आपसी सहमति के आधार पर विस्तारित किए जाने का निर्णय लिया गया है। इसे निविदा आमंत्रित कर संचालित कराया जाएगा।

UP का एक ऐसा जिला जहां किसी भी थाने पर नहीं मनाया जाता श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व

कुशीनगर। कुशीनगर जिले में धूमधाम से मनाई जाने वाली श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व इस बार ३० वें साल भी जिले की पुलिस द्वारा नहीं मनाई जाएगी। दरअसल, जनमाष्टमी की रात बहुचर्चित पचरुखिया कांड पुलिस व बदमाशों के बीच हुई मुठभेड़ में जाबांज थानाध्यक्ष अनिल पांडेय सहित पुलिस के छह जवान शहीद हो गए थे। रोंगटे खड़ा कर देने वाली वह घटना अभी भी पुलिसकर्मियों के जेहन में जिदा है। जश्न के दिन उस मंजरकोयाद से उनका कलेजा आज भी कांप जाता है। उल्लेखनीय हो कि पडरौना को नवसृजित जनपद का दर्जा मिलने के बाद पहले साल पूरा जनपद में अति उत्साह से मनाए जा रहे श्रीकृष्ण जन्मोत्सव में व्यस्त था। उसी दौरान २६ अगस्त १६६४ को पडरौना कोतवाली पुलिस को सूचना मिली कि जंगल दस्यु बेचू मास्टर व रामप्यारे कुशवाहा उर्फ सिपाही पचरुखिया के ग्राम प्रधान राधाष्ण गुप्ता के घर डकैती डाल उनकी हत्या का योजना बना रहे हैं। तत्कालीन कोतवाल योगेंद्र प्रताप सिंह ने यह जानकारी एसपी बुद्धचंद को दी। एसपी ने कोतवाल को थाने में मौजूद फोर्स के अलावा मिश्रौली डोल मेला में लगे जवानों को लेकर मौके पर पहुंचने का निर्देश दिया। इसी बीच पहुंचे थानाध्यक्ष तरयासुजान, अनिल पांडेय को भी एसपी ने इस अभियान में शामिल होने का आदेश दिया। बदमाशों की धर पकड़ के लिए सीओ पडरौना आरपी सिंह के नेतृत्व में गठित टीम में सीओ हाटा गंगानाथ त्रिपाठी, दरोगा योगेंद्र सिंह, आरक्षी मनीराम चौधरी, राम अचल चौधरी, सुरेंद्र कुशवाहा, विनोद सिंह व ब्रह्मदेव पांडेय शामिल किए गए जबकि दूसरी टीम में थानाध्यक्ष तरयासुजान अनिल पांडेय के नेतृत्व में थानाध्यक्ष कुबेरस्थान राजेंद्र यादव, दरोगा अंगद राय, आरक्षी लालजी यादव, खेदन सिंह, विश्वनाथ यादव, परशुराम गुप्त, श्यामा शंकर राय, अनिल सिह और नागेंद्र पांडेय

के साथ रात्रि साढ़े नौ बजे बांसी नदी किनारे पहुंचे। वहां पता चला कि बदमाश पचरुखिया गांव में योजना बना रहे हैं। तो पुलिसकर्मियों ने नाविक भुखल को बुलाकर डेंगी को उस पार ले चलने को कहा। भूखल ने दो बार में डेंगी से पुलिस कर्मियों को बांसी नदी के उस पार पहुंचाया। लेकिन बदमाशों का कोई सुराग नहीं मिला। पहली खेप में सीओ समेत अन्य पुलिसकर्मी नदी इस पार वापस हो लिए। जबकि दूसरे टीम के पुलिसकर्मी डेंगी पर सवार होकर जैसे नदी के समीप पहुंचे की बदमाशों ने पुलिस टीम पर बम विस्फोट करते हुए ताबड़तोड़ फायर झोंक दिया, जिसमें नाविक भुखल व सिपाही विश्वनाथ यादव को गोली लग गई और डेंगी अनियंत्रित हो गई। जिसमें सवार सभी पुलिसकर्मी नदी में गिर पड़े। इस दौरान बदमाशों ने पुलिस टीम पर तांबा तोड़ कई राउंड फायर किया। घटना की सूचना सीओ सदर आरपी सिंह ने वायरलेस से एस पी को दी। इसके बाद मौके पर पहुंची फोर्स ने डेंगी सवार पुलिसकर्मियों की खोजबीन चालू की। जहां थानाध्यक्ष तरयासुजान अनिल कुमार पाण्डेय, थानाध्यक्ष कुबेरस्थान राजेंद्र यादव, तरयासुजान थाने के आरक्षी नागेंद्र पाण्डेय, पडरौना कोतवाली में तैनात आरक्षी खेदन सिंह, विश्वनाथ यादव व परशुराम गुप्त मृत पाए गए। घटना में नाविक भुखल भी मारा गया था। जबकि दरोगा अंगद राय, आरक्षी लालजी यादव, श्यामा शंकर राय व अनिल सिंह सुरक्षित बच निकले। घटना स्थल पर पुलिस के हथियार व कारतूस बरामद तो गए लेकिन थानाध्यक्ष अनिल पाण्डेय की पिस्तौल अभी तक नहीं बरामद हो पाई। इस घटना में कोतवाल योगेंद्र सिंह ने कुबेरस्थान थाने में अज्ञात बदमाशों के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कराया था। घटना बाद तत्कालीन डीजीपी ने भी घटनास्थल का दौरा कर मुठभेड़ की जानकारी ली थी। जिसके बाद से कुशीनगर पुलिस द्वारा श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का त्यौहार जनपद में कहीं नहीं मनाया जाता है। जनपद के पुलिसकर्मी उस दिन अपने शहीद जवानों की काली रात मानकर मौन रहती है।

खत्म हुआ आधार कार्ड का बवाल

लखनऊ। आजकल हर चीज ऑनलाइन हो गई है। फिर चाहे वो कोई बड़ा पेमेंट हो, शॉपिंग हो या फिर आईडी डॉक्यूमेंट। सब काम ऑनलाइन बड़ी ही आसानी से हो जाता है। इन सभी कामों को करने के लिए एक चीज क मन है, जो की आधार कार्ड है। अकाउंट ओपन करने से लेकर कॉलेज में एडमिशन लेने तक आधार एक जरुरी डॉक्यूमेंट बन चुका है। इसका होना बड़ा ही जरूरी है, लेकिन अब बार–बार अपना आधार कार्ड दिखाने की कोई जरुरत नहीं है। अब वर्चुअल आईडी ही आपके सारे काम कर देगी। आपको बता दें कि वर्चुअल आईडी १६ अंकों की अस्थायी संख्या होती है, जो आपके आधार कार्ड की तरह ही काम करती है। इस **Virtual ID** को आप अपने स्मार्टफोन में बड़ी ही आसानी से जनरेट कर सकते हैं। यह एक बार के लिए ही मान्य होती है। इसीलिए आप अपने जरुरत के हिसाब से इसे जनरेट कर सकते हैं। वर्चुअल आईडी जनरेट करना बहुत ही आसान है। इसके लिए

सबसे पहले आपको **UIDAI** की ऑफिशियल वेबसाइट या ऐप पर जाना है। वर्चुअल आईडी को जनरेट करने के लिए आपके पास बस आपका आधार नंबर और मोबाइल नंबर होना चाहिए। बता दें कि वर्चुअल आईडी का उपयोग ऑनलाइन सेवाएं जैसे ट्रेन टिकट बुकिंग, होटल बुकिंग आदि के लिए किया जाता है। इतना ही नहीं इसका इस्तेमाल सरकारी सेवाओं के लिए भी किया जा सकता है। वर्चुअल आईडी होने से कई सारे फायदे होते हैं। वर्चुअल आईडी बिल्कुल आधार कार्ड की तरह एक सुरक्षित आईडी होता है। इसके होने से आपको ओरिजमनल आधार साथ रखने का झंझट नहीं रखना होगा। वर्चुअल आईडी को जनरेट करना बहुत ही आसान है। इसे कई बार जनरेट किया जा सकता है। वर्चुअल आईडी के लिए बार–बार पूरा आधार नंबर बताने की भी जरुरत नहीं होती है। हालांकि ये वर्चुअल आईडी सिर्फ और सिर्फ **UIDAI** की आधिकारीक वेबसाइट से ही जनरेट की जा सकती है।

२ सितंबर से शुरू होगा बीजेपी का सदस्यता अभियान, पीएम मोदी को जेपी नड्डा बनाएंगे पहला सदस्य

नई दिल्ली। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े ने पार्टी के संविधान का हवाला दिया और कहा कि जब इसके लिए कोई नया अभियान चलाया जाएगा तो मौजूदा सदस्यों को अपनी सदस्यता नवीनींत करने की आवश्यकता होगी। तावड़े ने कहा कि संविधान कहता है कि हर पांच से छह साल में सदस्यता अभियान चलाना होगा। भाजपा ने इस महीने चुनाव वाले जम्मू–कश्मीर, हरियाणा, महाराष्ट्र और झारखंड को छोड़कर पूरे देश में कम से कम १०० मिलियन नए सदस्य बनाने का लक्ष्य रखा है। यह अभियान २ सितंबर से १० नवंबर तक चरणों में आयोजित किया जाएगा। तावड़े ने कहा कि व्यक्ति मिस्ड क ल के माध्यम से, या पार्टी की वेबसाइट या अन्य डिजिटल प्लेटफ र्म पर साइन अप कर सकते हैं। २०१४ में लगभग ११० मिलियन लोगों ने भाजपा के सदस्यों के रूप में साइन अप किया और २०१६ में लगभग ७० मिलियन लोगों ने सदस्यता अभियान को सीमित अवधि के लिए खोला। उन्होंने कहा कि भाजपा के संविधान के अनुसार हर ५–६ साल बाद नए सिरे से सबको सदस्य बनाया जाता है। बीच में कोरोना के कारण सदस्यता अभियान सीमित रूप से

ही चल पाया था। लेकिन अब २ सितंबर से सदस्यता का संगठन पर्व शुरू होगा। जिसमें नए सिरे से सभी को फिर से सदस्यता लेनी होगी। भाजपा नेता ने कहा कि २ सितंबर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को जेपी नड्डा पहला सदस्य बनाएंगे और उसके बाद पूरे देश में सदस्यता शुरू होगी। २ सितंबर शाम को ५ बजे इस सदस्यता अभियान का शुभारंभ पार्टी के केंद्रीय कार्यालय विस्तार में किया जाएगा। उन्होंने कहा कि २०१४ तक चीन की कम्युनिस्ट पार्टी दुनिया का सबसे बड़ा राजनीतिक दल था। २०१४ में जब भाजपा के ११ करोड़ सदस्य बने, उसके पश्चात भाजपा दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बन गई। तावड़े ने कहा कि सदस्यता सिर्फ संपर्क का कार्यक्रम नहीं अपितु देश की जनता तक भाजपा के विचार और भाजपा की सरकार द्वारा किए गए कार्यों की जानकारी पहुंचाना इसका लक्ष्य है। २ सितंबर से शुरू होने वाले सदस्यता अभियान का पहला चरण २५ सितंबर तक पूरा होगा। उन्होंने कहा कि पहले चरण की सदस्यता का विश्लेषण करने के बाद १ अक्टूबर से १५ अक्टूबर तक सदस्यता अभियान का दूसरा चरण चलेगा। सदस्यता अभियान महज एक आउटरीच पहल से कहीं अधिक है। इस अभियान का प्राथमिक उद्देश्य भाजपा की विचारध्ाारा का प्रसार करना और देश के नागरिकों को हमारी सरकार की उपलब्धियों से अवगत कराना है।

उस रात संजय के अलावा कोई और भी था? CBI लेगी एम्स की मदद

नई दिल्ली। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने मंगलवार को कहा कि वह आरजी कर मेडिकल कॉलेज में प्रशिक्षु डॉक्टर के बलात्कार और हत्या से संबंधित डीएनए और फोरेंसिक रिपोर्ट पर अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के विशेषज्ञों से परामर्श करेगी। आरजी कर मेडिकल कॉलेज में एक प्रशिक्षु डॉक्टर के कथित बलात्कार और हत्या के संबंध में डीएनए और फोरेंसिक रिपोर्ट पर सीबीआई एम्स के विशेषज्ञों से बात करेगी। अधिकारी ने कहा कि एक मजबूत मामला बनाने के लिए, सीबीआई मामले पर राय जानने के लिए एम्स को रिपोर्ट भेजेगी। सूत्रों का कहना है कि सीबीआई किसी भी कमी को दूर करना चाहती है, इसलिए एम्स के विशेषज्ञों से डीएनए और फोरेंसिक रिपोर्ट पर अंतिम राय मांगी जाएगी। अधिकारी ने कहा कि रिपोर्ट से एजेंसी को यह निर्धारित करने में भी मदद मिलेगी कि क्या संजय रॉय ही एकमात्र व्यक्ति था जिस पर अपराध करने का संदेह था या अन्य भी थे। ब्यूरो वर्तमान में इस संभावना की जांच कर रहा है कि रॉय एकमात्र व्यक्ति थे जिन पर अपराध का आरोप लगाया गया था, लेकिन अधिकारियों के अनुसार, जब तक एम्स विशेषज्ञ अपना मूल्यांकन नहीं दे देते, तब तक अन्य लोगों की संलिप्तता से इनकार नहीं किया जाएगा। अस्पताल के सेमिनार हॉल में जूनियर डॉक्टर के साथ बलात्कार और हत्या के बाद व्यापक विरोध प्रदर्शन हुआ। ९ अगस्त की सुबह

राउंड पर मौजूद एक डॉक्टर ने अस्पताल के चेस्ट डिपार्टमेंट के सेमिनार हॉल के अंदर गंभीर चोट के निशान वाला डॉक्टर का शव देखा। कोलकाता पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर १० अगस्त को रॉय को गिरफ्तार किया, जिसमें उन्हें ९ अगस्त को सुबह ४.०३ बजे सेमिनार हॉल में प्रवेश करते देखा गया था जब अपराध किया गया था। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर, रॉय से व्यापक पूछताछ की गई और पुलिस ने उनके बाएं गाल पर 'हाल की चोटें', उनके बाएं हाथ में उनकी बाईं और अनामिका उंगली के बीच घर्षण, और उनकी बाईं जांघ के पिछले हिस्से पर घर्षण सहित अन्य चीजें देखीं।

पुलिस की बर्बरता पर फूटा BJP का गुस्सा, जेपी नड्डा ने साधा ममता सरकार पर निशान

नई दिल्ली। मंगलवार को नबन्ना अभिजन रैली के हिंसक हो जाने के बाद भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने ममता बनर्जी सरकार पर बलात्कारियों और अपराधियों का समर्थन करने का आरोप लगाते हुए निशाना साधा। वहीं, तृणमूल कांग्रेस ने जबरन बैरिकेड तोड़ने और प्रतिबंधित नबन्ना क्षेत्र में प्रवेश करने की कोशिश करने वाले श्भाजपा गुंडोंश पर हमला किया। नडडा ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि कोलकाता से पुलिस की मनमानी की तस्वीरों ने लोकतांत्रिक सिद्धांतों को महत्व देने वाले हर व्यक्ति को नाराज कर दिया है। दीदी के पश्चिम बंगाल में बलात्कारियों और अपराधियों की मदद करने को महत्व दिया जाता है, लेकिन महिलाओं की सुरक्षा के लिए बोलना अपराध है। यह टिप्पणी छात्र संगठन द्वारा 'अराजनीतिक' रैली के दौरान राज्य पुलिस द्वारा लाठीचार्ज की रिपोर्ट सामने आने के बाद आई, जो कोलकाता के आरजी कर क लेज में डॉक्टर के बलात्कार और हत्या के विरोध में आवाज उठाने के लिए आयोजित की गई थी। हालाँकि, अखिल

भारतीय तृणमूल कांग्रेस ने 'भाजपा के गुंडों' पर ममता की छवि खराब करने के लिए विरोध प्रदर्शन को हिंसक बनाने का आरोप लगाया है। टीएमसी नेता कुणाल घोष ने कहा कि सभी ने देखा कि आज बीजेपी के गुंडों ने हमला किया, बैरिकेड तोड़ दिए, पुलिस पर हमला किया। पुलिस घायल हुई। फिर भी संयमित है। उन्होंने ही गड़बड़ की। वे ही हैं जो गतिरोध के लिए बंद का आह्वान कर रहे हैं। इससे पहले भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कहा कि आज पश्चिम बंगाल के नबन्ना में जो हो रहा है, वो चिंताजनक है और संविधान को तार–तार करने वाला है। ये स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि अगर देश में कहीं तानाशाह है, तो वो तानाशाह ममता बनर्जी है। उन्होंने कहा कि तानाशाह ममता बनर्जी और साथ में वो पुलिस कमिश्नर जिसने इस घटना को आत्महत्या बताया था। उन दोनों को तुरंत इस्तीफा देना चाहिए, जिससे निष्पक्ष जांच हो सके। हम कहना चाहते हैं कि जांच एजेंसी को ममता बनर्जी और पुलिस कमिश्नर का भी पॉलीग्राफ टेस्ट करना चाहिए। भाटिया ने कहा कि अपने साथी छात्र के लिए शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर ममता बनर्जी की पुलिस सख्त कार्रवाई कर रही है। अपराधियों को बचाया जा रहा है। ममता सरकार का प्रशासन पक्षपातपूर्ण है और हम उनसे न्याय की उम्मीद नहीं कर सकते।

विधानसभा चुनाव में कई पार्टियों का खेल खराब कर सकती है जेल में बंद सांसद इंजीनियर राशिद की पार्टी

नई दिल्ली। विधानसभा चुनाव की तारीखों के ऐलान के बाद जम्मू कश्मीर में सभी सियासी दलों की सरगर्मियां बढ़ गई हैं। लगभग १० साल बाद होने जा रहे विधानसभा चुनावों में राजनीतिक दल कोई कसर नहीं छोड़ना चाहते हैं। अंतिम बार जम्मू–कश्मीर में चुनाव एक राज्य के रूप में हुए थे। जबकि इस बार जम्मू कश्मीर एक केंद्र शासित प्रदेश है। इस बार जम्मू कश्मीर में होने वाले विधानसभा चुनाव में सांसद इंजीनियर राशिद के अगुवाई वाली अवामी इत्तेहाद पार्टी (AIP) ने भी चुनावी रण में उतरने का फैसला किया है। इंजीनियर राशिद के इस ऐलान के बाद प्रदेश में सियासी पारा काफी हाई हो गया है। सियासी गलियारों में हार जीत को लेकर अटकलें तेज हो गई है। खबर के मुताबिक, इंजीनियर राशिद के अगुवाई वाली अवामी इत्तेहाद पार्टी ने जम्मू कश्मीर के सभी ६० सीटों पर चुनाव लड़ने का ऐलान किया है। इसका ऐलान करते हुए एआईपी के महासचिव प्रिंस परवेज ने कहा कि पहली बार हम जम्मू कश्मीर की सभी सीटों पर चुनाव लड़ने जा रहे हैं। उन्होंने कहा, 'हमारा लक्ष्य पारंपरिक राजनीति के खिलाफ बदलाव के इस लहर में बड़ी जीत हासिल करना है।' प्रिंस परवेज ने दावा किया कि 'एआईपी के अलावा जम्मू कश्मीर के लोगों के पास कोई विकल्प नहीं है।' हाल ही में संपन्न हुए लोकसभा चुनाव में जीत बारामूला सीट से इंजीनियर राशिद के जीत दर्ज करने के बाद एआईपी पुर्नगठन की तरफ बढ़ रही है। इससे पहले उनकी पार्टी अवामी इत्तेहाद पार्टी ने २२ अगस्त को

जम्मू कश्मीर की ९ विधानसभा सीटों के लिए अपने प्रत्याशियों के ऐलान किया था। एआईपी की तरफ से जारी पहली सूची में देवसर कुलगाम, दूरू अनंतनाग, अनंतनाग वेस्ट, पंपोर, त्राल, पुलवामा, शोपियां जैनापोरा, डीएच पोरा कुलगाम और अनंतनाग विधानसभा सीट पर प्रत्याशियों का नाम फाइनल कर दिया। वर्तमान में एआईपी के मुखिया इंजीनियर अब्दुल राशिद तिहाड़ जेल में यूएपीए के तहत बंद हैं। साल २०२४ के लोकसभा चुनाव में उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और सज्जाद लोन को बारामूला सीट से हराकर कर चौंका दिया।

अवैध रुप से पटाखा फैक्ट्री पर छापा, चार गिरफ्तार

शाहजहांपुर। शहर में एसओजी और सदर बाजार पुलिस ने अवैध रुप से चल रही पटाखा फैक्ट्री पर छापा मारा। पुलिस ने निर्मित व अर्धनिर्मित पटाखे , विस्फोटक सामग्री बरामद की है। बरामद सामग्री पाचं लाख रुपये की है। पुलिस ने चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। सदर बाजार पुलिस और एसओजी टीम को रविवार की दोपहर बाद सूचना मिली कि बाडूजई प्रथम में अभियुक्त अरबाब खां निवासी बाडूजई प्रथम सदर बाजार के मकान और मोहल्ला ककरा में अवैध रुप से पटाखा फैक्ट्री चल रही है। पुलिस ने दोनों स्थानों पर छापा मारा और निर्मित व अध्ानिर्मित पटाखे, सुतली बम, पटाखा बनाने वाले विस्फोटक सामग्री बरामद की है। पुलिस ने एक नाबालिक समेत चार लोगों को हिरासत में लिया है। पकड़े गए अभियुक्त अरबाब खां, जब्बार खां निवासी बाडूजई थाना सदर बाजार, जमाल निवासी चौक आला खां थाना सदर बाजार और एक विधि विरुद्ध बालक है। पुलिस ने सुतली बम वजन ७० किलो, फुलझड़ी, मिर्ची बम, समोसा बम, पाउडर १० किलोग्राम, गंधक ३४ किलोग्राम, डिब्बा रैपर, सुतली चार कठ्ठर आदि बरामद किया है।

वैद्यकीय विद्यार्थियों को चिकित्सा को भगवान मानकर काम करने की आवश्यकता है: बृजेश पाठक

लखनऊ। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद मेडिविजन आयाम के दो दिवसीय ७वीं ऑल इंडिया मेडिकल एंड डेंटल स्टूडेंट सम्मेलन का आयोजन किया।

यह आयोजन किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी के अटल कन्वेंशन सेंटर सभागार में आयोजित किया गया। ऊत्तर प्रदेश सरकार के उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक, अभाविप के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. राज शरण शाही, राष्ट्रीय मंत्री डॉ. वीरेंद्र सिंह सोलंकी, मेडिविजन के राष्ट्रीय संयोजक डॉ. अभिनंदन बोकरिया ने माता सरस्वती एवं स्वामी विवेकानन्द के चित्र के समक्ष पुस्पार्चन एवं दीप प्रज्वलन के साथ तथा कोलकाता के आर.जी.कर मेडिकल कॉलेज स्नातकोत्तर की दिवंगत छात्रा के चित्र के समक्ष श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप उपस्थित उ.प्र. सरकार के उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने मेडिविजन के कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि वैद्यकीय विद्यार्थियों को चिकित्सा को भगवान मानकर काम करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि जब तक हमारे शिक्षा का स्वरूप नहीं बदलता है। तब तक हमें तकनीकी की अच्छी समझ नहीं हो पाती और तब तक हम अपनी मंजिल से दिग्भ्रमित होते रहते हैं। मेडिकल साइंस के विद्यार्थियों को संपूर्ण जगत में परचम लहराने की आवश्यकता है,क्योंकि मेडिकल साइंस के माध्यम से ही हम आने वाले किसी भी बीमारियों से लड़कर जीतने की क्षमता रखते हैं। अभाविप के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो. राजशरण शाही ने कहा कि भारत की शिक्षा व्यवस्था उसकी संसेंति से जुड़ी होनी चाहिए। प्रो. राजशरण ने आगे कहा कि भारत विविधताओं में एकता की पहचान करने वाला देश है। यहां हर जाति और वर्ग के लोग रहते हैं। विविधता में एकता का मतलब है, कई तरह की भिन्नताओं के बावजूद एक साथ रहना। धार्मिक, सांस्कृतिक, जातिगत, आस्था, भाषा, क्षेत्रीय मतभेद, और समाज में कई अन्य कारक इन विविधताओं में योगदान कर सकते हैं। हमें अपनी असहमतियों से ऊपर उठकर एकजुट होकर रहना चाहिए। राष्ट्रीय मंत्री डॉ. वीरेंद्र सिंह सोलंकी ने कहा कि भले ही मेडिविजन की शुरुआत २०१५ में हुई हो, लेकिन यह विद्यार्थी परिषद लोगों के बीच काम करते आया है। मेडिविजन के कार्यकर्ताओं ने हमेशा से ही चिकित्सा के क्षेत्र में अपना सम्पूर्ण समर्पण देकर लोगों को सहायता पहुंचाकर उनके उत्तम स्वास्थ एवं सफल जीवन व्यतीत करने में उनका सहयोग किया है। मेडिविजन के राष्ट्रीय संयोजक डॉ. अभिनंदन बोकरिया ने विश्व बंधुत्व की कामना करते हुए कहा कि देश हमें सब कुछ देता है। हमें भी देश की भलाई में अपना सहयोग देना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन मेडिविजन केजीएमयू इकाई की प्रमुख डॉ. शिविली राठौर ने किया। कार्यक्रम में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् के पदाधिकारी सहित भारत एवं नेपाल के मेडिकल के तमाम विद्यार्थी उपस्थित रहे।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी २०२४: सीएम योगी ने सांस्तिक कार्यक्रमों का लिया आनंद, बोले- पूरे प्रदेश में सुख, शांति व सद्भावना है

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पुलिस बल ने हानि–लाभ की चिंता के बिना कर्म को प्रधान माना। जिस पुलिस व प्रदेश को सबसे फिसड्डी मान लिया गया था। आज वह देश के विकास का ग्रोथ इंजन बन रहा है। कानून व्यवस्था का म डल प्रस्तुत कर रहा है। अब प्रदेश में हर ओर सुख, शांति व सद्भावना है। प्रदेश के सभी १५८५ थानों, ७५ पुलिस लाइंस, ६० से अधिक जेलों में भव्यता से यह आयोजन हो रहा है, लेकिन १० साल पहले यह संभव नहीं था। सरकारें डरती थीं कि आयोजन करेंगे तो क्या लाभ होगा। उक्त बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहीं। उन्होंने रिजर्व पुलिस लाइन में सोमवार को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर आयोजित कार्यक्रम में अपनी बातें रखीं। सीएम ने दीप प्रज्ज्वलन व भगवान श्रीकृष्ण के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आनंद भी लिया। सीएम योगी ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण श्री हरि विष्णु के पूर्व अवतार के रूप में मान्य हैं। यह वर्ष भारत के शास्त्रों की मान्यता के अनुसार लीलाधारी भगवान श्रीकृष्ण के ५२५१वें जन्मोत्सव का है। उनकी लीलाओं का क्रम जन्म से ही प्रारंभ हुआ। इस धराध ाम पर १२५ वर्ष ८ महीने व्यतीत करने के बाद अपनी लीला को उन्होंने विश्राम दिया। अलग–अलग कार्यक्रमों के माध्यम से लंबे समय तक उनकी लीलाओं को हम लोग प्रमाण के रूप में प्रयोग करते हैं। सीएम योगी ने कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव के मुख्य समारोह में पीएम ने कहा था कि हमें अगले २५ वर्ष की कार्ययोजना के मुताबिक कार्य करना है यानी २०४७ की जो पीढ़ी होगी, उसे हम विकसित भारत देंगे। जहां हर चेहरे पर खुशहाली होगी। कहीं दुख, दरिद्रता, अराजकता, गुंडागर्दी नहीं होगी। हर हाथ को काम और हर खेत को पानी होगा। इस संकल्प के साथ हम आगे बढ़ेंगे। २०४७ के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए पीएम मोदी ने पंच प्रण की बात

कही। पंचप्रण में सबसे महत्वपूर्ण प्रण नागरिक कर्तव्य है। सीएम योगी ने कहा कि हर नागरिक के अपने कर्तव्य भी होंगे। हर कोई अधिकार की बात करता है,लेकिन कर्तव्यों की चर्चा नहीं करता। जीवन में सफलता के लिए समाधान का मार्ग अपनाइए। जब लक्ष्य समाधान होगा तो सफलता प्राप्त होगी। सीएम ने कहा कि हमारे मन में विरासत के प्रति गौरव की अनुभूति होनी चाहिए। विरासत का सम्मान करते हुए विकास को बढ़ाएंगे। उन्होंने आह्वान किया कि हर कोई अपने क्षेत्र में नागरिक कर्तव्यों का निर्वहन करे। हमारे सामने लक्ष्य होना चाहिए कि मेरा हर कर्म देश के नाम होगा। देश के लिए सब कुछ समर्पित करुंगा, इस भाव के साथ कार्य करेंगे तो प्रभु की कृपा बनी रहेगी। इस दौरान उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, राज्यसभा सांसद डॉ. दिनेश शर्मा, संजय सेठ, महापौर सुषमा खर्कवाल, विधायक नीरज बोरा, ओपी श्रीवास्तव, विधान परिषद सदस्य मुकेश शर्मा, मुख्य सचिव मनोज सिंह, अपर मुख्य सचिव (गृह) दीपक कुमार, पुलिस महानिदेशक प्रशांत कुमार आदि मौजूद रहे।

चेहल्लुम का जूलूस : इमाम हुसैन के गम में हाथ में तिरंगा थामे अकीदतमंद गाते रहे नोहाख्वानी

लखनऊ। अजादारी का मरकज कहे जाने वाले अदब के शहर लखनऊ में सोमवार को रसूलल्लाह के नवासे इमाम हुसैन और कर्बला के शहीदों का चेहल्लुम जुलूस बड़ी ही अकीदत और एहतराम के साथ निकाला गया। जुलूस में शामिल

सैकड़ों मातमी अंजुमनों ने मातम करके कर्बला के ७२ शहीदों को पुरसा पेश किया। इमाम हुसैन के गम में अकीदतमंत हाथ में तिरंगा थामे नोहाख्वानी करते कर्बला तक पहुंचे। हालांकि, सुरक्षा दृष्टि से भारी तादाद में पुलिस बल तैनात रही। दरअसल, मुहर्रम के ४०वे दिन चौक स्थित नाजिम साहब इमामबाड़े से लेकर तालकटोरा स्थित कर्बला तक चेहल्लुम का जूलूस निकाला गया। इस जुलूस में गैर जनपदों के अकीदतमंदों ने भी शिरकत की। अकीदतमंद आलम, ताजिया लेकर नंगे पांव कर्बला तक पहुंचे। जुलूस में शामिल कुछ लोग तिरंगा लेकर इमाम हुसैन के गम में नोहाख्वानी, मातम करते दिखाई पड़े। पुराने लखनऊ में निकले चेहल्लुम जुलूस में अकीदतमंदों ने मातम मजलिस का एहतमाम किया। जिसमें बड़ी तादाद में शिया समुदाय के लोग शामिल हुए। दोपहर तीन बजे तक जुलुस इमामबाडा नाजिम साहब से चल कर कर्बला तालकटोरा पहुंच कर खत्म हुआ, रिवायत के मुताबिक इमाम हुसैन को उनके साथियों के साथ बेरहमी से शहीद कर दिया गया था, उनकी याद में अजादार इजहारे गम पेश करते है। जुलूस में मौजूद उलमा ने बताया की कर्बला का गम हर मजहबों मिल्लत के लोग मनाते है, क्योंकि नवासे–ए–रसूल इमाम हुसैन ने इस्लाम और इंसानियत को बचाने की खातिर अपना भरा घर राहे खुदा में पेश कर दिया था। वहीं चेहल्लुम के मौके पर पुलिस प्रशासन की ओर से सुरक्षा व्यवस्था के व्यापक इंतजाम किये गए थे। हर तरफ पीएसी, आरएएफ समेत कई बटालियन फोर्स मुस्तैद रही। सीसीटीवी और ड्रोन कैमरे से जुलूस और आसपास के इलाकों पर नजर रखी गई।

वर्किंग जर्नलिस्ट वेलफेयर एसोसिएशन का हुआ गठन

लखीमपुर खीरी। नगर पालिका सभागार में पत्रकारों की एक मीटिंग का आयोजन किया गया जिसमें पत्रकारों के द्वारा एक संगठन का निर्माण किया गया। संगठन की कार्यकारिणी का भी गठन किया गया जिसमें जिला अध्यक्ष सहित सभी पदों को मनोनीत किया गया। संगठन का निर्माण करते हुए संस्था के अध्यक्ष के तौर पर नवीन अवस्थी, महामंत्री राम जी सिंह,कोषाध्यक्ष डीके मिश्रा, , वरिष्ठ उपाध्यक्ष शाहिद खान व योगेश वर्मा, सुनहरा उपाध्यक्ष,उपाध्यक्ष सुनील पांडे ,संयुक्त मंत्री दीपक गुप्ता, मंत्री खालिक अहमद, विधि सलाहकार व प्रवक्ता मो० शकील को सर्वसम्मत से घोषित किया गया। संस्था के संरक्षक के तौर पर रमेश अग्रवाल , एन के मिश्रा , अमीर रजा घोषित किए गए। वही मीटिंग के दौरान जमील अहमद, अनूप गुप्ता, कुलदीप चौरसिया, सपना कश्यप, आशीष राठौर, हिमांशु श्रीवास्तव, आलोक श्रीवास्तव, सौरभ श्रीवास्तव, शोभित त्रिपाठी, मनोज वर्मा, मोहम्मद शकील, अनुज शर्मा ,कौशलेंद्र कुमार शुक्ला, मनोज मिश्रा ,उत्कर्ष बाजपेई ,अनुराग पटेल, सुनील कुमार सोनी, कमल मिश्रा , अक्षय श्रीवास्तव, रोहित कुमार, अमन श्रीवास्तव, संजय गुप्ता ,पवन दीक्षित ,राजीव दीक्षित ,शरद अवस्थी, राजीव दीक्षित ,सतीश गुप्ता, मोहम्मद यूसुफ ,मोहम्मद अजीम ,अभिषेक गुप्ता ,रामबाबू गुप्ता, मुनेन्द्र पाल वर्मा, शोएब अंसारी सहित सैकड़ो की संख्या में पत्रकार मौजूद रहे।

विद्यालय बंद मिलने पर बीएसए ने दो शिक्षकों को गंभीर आरोपों में किया निलंबित

शाहजहांपुर। बीएसए ने कलान क्षेत्र के दो शिक्षकों को गंभीर आरोपों के चलते निलंबित कर दिया है। निलंबित दोनों शिक्षकों को इसी विकास खंड के अन्य स्कूलों में संबद्ध करते हुए विभागीय खंड शिक्षा अधिकारियों को जांच सौप दी है। बीएसए दिव्या गुप्ता ने २७ अगस्त को जारी निलंबन आदेश में कहा है कि कलान के खंड शिक्षा अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया था कि उनके द्वारा १५ जुलाई को पूर्वाह ११.३० बजे प्राथमिक विद्यालय तलिकापुर, कलान का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के समय विद्यालय बंद पाया गया तथा बच्चे स्कूल परिसर में बंद थे। बाहर से ताला लगा हुआ था। बच्चों ने बताया कि सफाई करने वाले विद्यालय खोलकर उन्हें अंदर बंद करके बाहर से ताला डालकर चला गया। एमडीएम भी नहीं बन रहा था, जिस पर बीईओ ने प्रेरणा पोर्टल पर विद्यालय बंद दिखाया गया। बीईओ ने २३ जुलाई को सहायक अध्यापक रहमुद्दीन शेख से स्पष्टीकरण भी मांगा। आदेश में कहा गया है कि इससे पहले भी अध्यापक को एक मई २०२४ को भावलखेडा के बीईओ विनय मिश्र द्वारा प्रेरणा पोर्टल पर अनुपस्थित किया जा चुका है। इस तरह बीईओ कलान द्वारा १० मई को निरीक्षण किया गया था, तब भी शिक्षक रहमुद्दीन शेख विद्यालय से अनुपस्थित थे। खास बात यह थी कि रहमुद्दीन शेख द्वारा एक दिवस के अग्रिम हस्ताक्षर भी पाए गए थे। बच्चों व ग्रामीणों द्वारा अवगत कराया गया कि रहमुद्दीन शेख महीने में एक या दो बार ही आते हैं। रसोईघर का निरीक्षण करने पर पता चला कि गेहूं में चावल का आटा मिला देते हैं। ग्रामीणों द्वारा अवगत कराया गया कि विद्यालय के गेहूं को बेच लिया जाता है। अध्यापक से स्पष्टीकरण मांगने पर कोई जवाब नहीं दिया गया।

बीएसए ने अपने आदेश में कहा है कि शिक्षक रहमुद्दीन शेख २६ जुलाई को विद्यालय समय में आफिस आए और धमकी व अपशब्द कहने लगे कि आपने मेरा विद्यालय पोर्टल पर बंद क्यों दिखाया। बीईओ की संस्तुति पर शिक्षक रहमुद्दीन शेख को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर उच्च प्राथमिक विद्यालय बम्हौरा कलान में संबद्ध कर दिया गया है और मामले की जांच बीईओ मुख्यालय व मिर्जापुर को सौप दी गई है। इसी तरह बीएसए ने कलान क्षेत्र के ही प्राथमिक विद्यालय ग्यूतिया के शिक्षक सुशील कुमार को भी निलंबित किया है। बीएसए ने निलंबन आदेश में कहा है कि पूर्व बीएसए रणवीर सिंह के द्वारा प्राथमिक विद्यालय ग्यूतिया का निरीक्षण किया गया था। निरीक्षण में शिक्षण व्यवस्था शून्य, मध्यान्ह भोजन पंजिका कई दिवसों से अपूर्ण और विद्यालीय अभिलेखों का घर पर होना आदि अनियमितताएं पायी गयी थीं। बताया कि इससे पहले शिक्षक सुशील कुमार और प्राची गुप्ता का वेतन अग्रिम आदेशों तक अवरूद्ध किया गया था। आरोप है कि शिक्षक सुशील कुमार द्वारा पूर्व बीएसए को धमकी दी गयी और व्हाट्सएप के माध्यम से गाली व अभद्र भाषा का मैसेज किया गया, जो कि अध्यापक नियमावली के प्रतिकूल है। यह भी आरोप है कि सुशील कुमार द्वारा पूर्व बीएसए रणवीर सिंह जो वर्तमान में ललितपुर के बीएसए है, के द्वारा २८ जुलाई २०२४ के माध्यम से पुलिस अधीक्षक, ललितपुर को दिए पत्र में कहा कि जनपद शाहजहांपुर से स्थानान्तरण हो जाने के पश्चात शिक्षक सुशील कुमार द्वारा उनके सीयूजी नंबर ९४५३००४१०१ व्हाट्सऐप पर असंसदीय.अमर्यादित भाषा का प्रयोग कर मैसेज एवं काल के माध्यम से जान–माल को हानि पहुंचाने की धमकी दी गई। ललितपुर बीएसए ने उन्हें व उनके परिवार को क्षति पहुंचाए जाने की आंशका व्यक्त करते हुए शिक्षक सुशील कुमार के विरूद्ध सुसंगत धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर आवश्यक विधिक कार्यवाही किये जाने का अनुरोध किया गया। इस पर बीएसए दिव्या गुप्ता ने तत्काल प्रभाव से शिक्षक सुशील कुमार निलंबित करते हुए कंपोजिट विद्यालय मालौं, कलान से संबद्ध करते हुए मामले की जांच बीईओ मुख्यालय व मिर्जापुर को सौप दी है।

टी-२० लीग का आगाज, मेरठ मावेरिक्स ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का लिया फैसला

लखनऊ। उत्तर प्रदेश टी–२० प्रीमियर लीग के दूसरे सीजन का आगाज हो गया है। अटल बिहारी वाजपेयी इकाना स्टेडियम में शुरू हुये इस मैच में मेरठ मावेरिक्स ने ट स जीतकर गेंदबाजी का फैसला लिया है। वहीं काशी रुद्रास की तरफ से बल्लेबाजी करने कप्तान करन शर्मा और शिवा सिंह ने पारी की शुरूआत की है। मैच शुरू होने से पहले हुये उद्घाटन समारोह में अभिनेता आयुष्मान खुराना, अभिनेत्री कृति सेनन और सिंगर बादशाह ने गजब की परफार्मेंस दी है। आयुष्मान खुराना ने बद्री की दुल्हनिया गाने पर ठुमके लगाये हैं, तो वहीं इस गाने पर इकाना स्टेडियम की दर्शक दीर्घा में बैठे लोग भी खूब झूमे हैं। हजारों वॉट के साउंट पर जब बीड़ी जलई ले जिगर से पिया गाना जब स्टेडियम में बजा तो दर्शक थिरकने लगे। मंच पर मौजूद बॉलीवुड कलाकार कृति सेनन की प्रस्तुति ने दर्शकों को उत्साह दोगुना हो गया। रविवार को कुछ ऐसा ही नजारा देखने को मिला राजधानी के अटल बिहारी वाजपेई इकाना स्टेडियम में। यहां पर रविवार को यूपी टी–२० क्रिकेट लीग के उद्घाटन समारोह से पूर्व आयोजित किये गए रंगारंग कार्यक्रम में रैपर बादशाह और ब लीवुड कलाकार आयुषमान खुराना भी पहुंचे। आयुष्मान खुराना ने यहां पर बद्री की दुल्हनियों से लेकर बॉलीवुड के हिट गानों पर एक के बाद एक कई गानों पर डांस कर दर्शकों का भरपूर मनोंरजन किया। रैपर बादशाह के आते ही इकाना स्टेडियम में उनके नाम का शोर गूंज उठा। चले जब तू लटक मटक, लौंडो के दिल पटक पटक गाया तो दर्शक खुद को रोक नहीं सके। वे अपनी सीटों पर खड़े होकर डांस करने लगे। बादशाह मंच से उतर कर स्टेडियम में दर्शकों की सीटों के पास पहुंच गए और उनके साथ भी डांस किया। अभी तो पार्टी शुरू हुई गाने पर युवाओं ने जमकर

शोर मचाया। उद्घाटन समारोह में आतिशाबाजी ने चार चांद लगा दिये। रंगबिरंगी आतिशीबाजी से इकाना स्टेडियम सतरंगी रोशनी में नहाया नजर आया। मंच पर जब कृति सेनन ने बीड़ी जलई ले जिगर से पिया पर ठुमके लगाये तो वहां मौजूद युवक–युवतियां थिरकने को मजबूर हो गये। आयुषमान खुराना के भाई अपार शक्ति खुराना मैच के उद्घाटन समारोह में एंकरिंग करते नजर आये। उन्होंने कहा कि मैने इससे पहले इस तरह की लीग का उद्घाटन कहीं नहीं देखो। रंगारंग समारोह के बाद बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने आयोजकों के साथ ट्रॉफी का अनावरण किया। यूपीटी–२० लीग की विजेता टीम को यह ट्रॉफी प्रदान की जायेगी। यूपीसीए के डायरेक्टर डीएस चौहान ने सीएम योगी आदित्यनाथ का आभार जताया है।

स्कूल में ताला लगा देख सीडीओ हुए हैरान

लखीमपुर खीरी अगस्त। सीडीओ अभिषेक कुमार द्वारा परिषदीय स्कूलों के औचक निरीक्षण में कई खामियां मिली। कक्षा में अधिकांश बच्चे पुस्तक तक नहीं पढ़ पाए। बच्चों की संख्या भी कम मिली। इस पर नाराज हुए सीडीओ ने सभी खामियों को दुरूस्त करने के साथ ही अध्यापकों को कमजोर बच्चों पर विशेष ध्यान देने के सख्त निर्देश देते हुए चेतावनी दी। स्कूल टाइमिंग में यूपीएस ऐरा में ताला लटकता मिला। सीडीओ ने पूरे स्टाफ पर कार्यवाही के लिए बीएसए को निर्देशित किया। सीडीओ अभिषेक कुमार ने ब्लॉक ईसानगर के उच्च प्राथमिक विद्यालय ऐरा व प्राथमिक विद्यालय बसढ़िया का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के समय बीडीओ ईसानगर नीरज दुबे, डीपीआरओ विशाल सिंह व अन्य अधिकारी– कर्मचारी उपस्थित रहे। सर्वप्रथम सीडीओ ने अपरान्ह ०१ बजे यूपीएस ऐरा का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के वक्त विद्यालय में न ही अध्यापक और न ही कोई छात्र मिला। विद्यालय में फैली गन्दगी को देख परिसर की नियमित साफ–सफाई कराने के निर्देश दिए। विद्यालय के समय के पूर्व ही ताला लगा मिला, जिसपर बीएसए को तत्काल संबंधित विद्यालय के स्टॉफ के विरूद्ध कार्यवाही करने के लिए निर्देशित किया। इसके बाद सीडीओ ने पीएस बसढ़िया का निरीक्षण किया। प्रधानाध्यापक ने बताया कि एक अध्यापक व एक शिक्षामित्र ट्रेनिंग पर गये हुये हैं। साथ ही अन्य स्टॉफ उपस्थित मिला। विद्यालय में ११० बच्चों के नामांकन के सापेक्ष कम उपस्थिति को बढ़ाये जाने, बच्चों द्वारा हिन्दी की किताब न पढ़ पाने पर शिक्षा की दयनीय स्थिति पर चिन्ता व्यक्त की। साथ ही इसमें बेहतर सुधार के प्रयास करने के निर्देश दिए। स्कूल में बने शौचालय में पानी नहीं आ रहा था साथ ही उसका इस्तेमाल नहीं किये जाने पर सख्ती दिखाते हुए उसमें पानी की समुचित व्यवस्था कर उसका इस्तेमाल किए जाने के निर्देश दिए। सीडीओ अभिषेक कुमार ने ब्लॉक ईसानगर के ग्राम पंचायत ऐरा के पंचायत भवन का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण में पंचायत भवन में मिली अव्यवस्थाओं पर नाराजगी जताते हुए बीडीओ से इन्हें तत्काल सही कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण में सीडीओ को पंचायत भवन में सुरक्षा की दृष्टि से लगे सीसीटीवी कैमरे बन्द मिले। साथ ही साथ कम्प्यूटर तथा इंक न होने के कारण प्रिंटर भी बन्द मिले। जिन्हें तत्काल सही कराये जाने के आदेश दिए। मौके पर एक भी रजिस्टर मौजूद नहीं थे तथा परिवार रजिस्टर मांगने पर ब्लॉक में रखे होने की बात कही गयी। जन्म–मृत्यु प्रमाण पत्र के बारे में जानकारी प्राप्त की तो कुछ भी उपलब्ध नहीं था। पंचायत भवन के परिसर में बने दोनों ही शौचालय भी बन्द मिले, जिसे खुलवाकर क्रियाशील कराने के निर्देश दिए। पंचायत भवन पर फैली अव्यवस्थाओं पर फटकार लगाई। जल्द ही जल्द जरूरी रजिस्टर व फाइले को विविधत् बनवाकर सुव्यवस्थित ढंग से रखा जाये साथ ही पंचायत भवन की नियमित रूप से साफ–सफाई कराये जाने के निर्देश दिए।

मानसिक रूप से परेशान महिला ने दो साल की बच्ची को छत से फेंका

लखनऊ।मोहनलालगंज कोतवाली अंतर्गत बगहनखेड़ा गांव में मानसिक रुप से परेशान महिला ने अपनी दो साल की बच्ची को छत से फेंक दिया। नीचे गिरने से बच्ची को गहरी चोट आई है। अस्पताल में वह गंभीर हालत में भर्ती है। जहां, उसका

इलाज चल रहा है। हालांकि, महिला की करतूत घटनास्थल के समीप लगे एक सीसीटीवी फुटेज में कैद हो गई। जिसका वीडियो क्लिप सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर तेजी से वायरल हो रही है। वीडियो के आधार पर पुलिस ने मामले को संज्ञान में लेते हुए महिला के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। दरअसल, सोमवार सुबह से सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में साफतौर पर देखा जा सकता है कि एक महिला अपनी बच्ची को छत से नीचे लटका रही है। इस दौरान महिला ने बच्ची को सिर के बल छत से गिरा दिया। प्रथम ष्या में महिला ने बच्ची को जान से मारने की नीयत से छत से गिराया है। प्रभारी निरीक्षक आलोक राव ने बताया कि मामले को संज्ञान लेते हुए खुजौली चौकी प्रभारी अर्जुन सिंह ने महिला के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। महिला का नाम सविता बताया जा रहा है। उसने बेटी नीशू को छत ने नीचे फेंक दिया है। बच्ची के चाचा–चाची ने वीडियो दिखाया है। इसके आधार पर सविता के खिलाफ सुसंगत धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई है। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि सविता मानसिक रुप से कमजोर है। मानसिक संतुलन बिगड़ने की वजह उसे बच्ची को छत से नीचे फेंक दिया। वहीं, महिला के मायके वालो ने बताया कि कुछ समय से सविता मानसिक तनाव और परेशानियों में उलझी हुई है।

श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव से जगमगाया केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

लखनऊ। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के लखनऊ परिसर में भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर शिक्षकों, छात्रों एवं छात्राओं ने भगवान श्रीकृष्ण का षोडशोपचार पूजन किया। पूजन के बाद परिसर में विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन हुआ। जिसका विषय घृणा से महाविनाश और प्रेम से परमानन्द की प्राप्ति था। विशिष्ट वक्ता के रूप में ज्योतिषशास्त्र के वरिष्ठ आचार्य एवं डीन प्रो. सर्वनारायण झा ने कहा कि भारत भूमि देवभूमि है, यहां के कण–कण में आध्यात्मिक चेतना झलकती है, घर–घर में कृष्ण नाम संकीर्तन की गूंज हमेशा ही सुनाई देती रहती है। कहीं हरि बोल, कहीं श्रीकृष्ण गोविन्द हरे मुरारे, तो कहीं हरे कृष्ण हरे कृष्ण, कृष्ण कृष्ण हरे हरे का संकीर्तन लोगों को भक्ति रस में डुबोता रहता है। छोटे–छोटे

गांवों में पण्डित श्रीमद्भागवत कथा का अमृतपान लोगों को कराते रहते हैं और गांव में किसान दिन भर की थकान के बाद जब चौपाल में बैठते हैं तो या तो स्वयं कृष्ण लीला के विषय में चर्चा करते हैं या कहीं–कहीं मथुरा, वृन्दावन से आए हुए कृष्ण लीला मंडली द्वारा झांकी दिखाई जाती है। प्रो. सर्वनारायण झा ने कहा कि स्वर्ग से बहती गंगा भारत भूमि को पवित्र करती है। श्रीमद्भागवत की कथा भक्तों के हृदय को पवित्र करती है। भगवान कृष्ण और राधा की दिव्य शाश्वत प्रेम कथा दुनिया भर में निस्वार्थ प्रेम और भक्ति का प्रतीक है। शाश्वत प्रेम का पाठ पढ़ाने के बाद भगवान कृष्ण ने घृणा से होने वाले विनाश को दिखाया और लोगों को जागरूक करने का संदेश दिया। भगवद्गीता ने मानवता के लिए जीवन जीने का मार्ग प्रदान किया। अध्यक्षता करते हुए प्रो. लोकमान्य मिश्र ने कहा कि भगवान् श्रीकृष्ण प्रादुर्भाव का उत्सव सभी के लिए सौभाग्य का सूचक है। जिस परिस्थिति में श्रीकृष्ण ने गीतोपदेश का अनुग्रह किया वह अद्भुत तथा विस्मयकारी है। वर्तमान समय में जहाँ अशान्ति तथा अत्याचार की विद्यमानता है, श्रीकृष्ण का कर्म सिद्धान्त अत्यन्त प्रासङ्गिक है। आचार्य सर्वनारायण झा जी ने इस प्रसंग का सांगोपांग चित्र उपस्थित किया है। परिसर के इतिहास में एक प्रकार का आयोजन अत्यन्त सराहनीय है। श्रीकृष्ण के उपदेशों का अनुपालन आज अपरिहार्य प्रतीत होता है। हमें इसके लिए अग्रगामी होना चाहिए। परमेश्वर का आशीर्वाद सभी को प्राप्त हो, यही कामना है। कार्यक्रम में स्वागत प्रो. गुरुचरण सिंह नेगी, संचालन प्रो. पवन कुमार एवं धन्यवाद ज्ञापन प्रो. गजाला अंसारी ने किया।

एमी जैक्सन की शादी की तस्वीरें आई सामने: इटली में की अपनी ड्रीम वेडिंग

मुंबई। एक दीवाना था, सिंह इज ब्लिंग और २.० जैसी बेहतरीन फिल्मों में अपनी एक्टिंग से लोगों के बीच जगह बनाने वाली अभिनेत्री एमी जैक्सन ने २३ अगस्त को ब यफ्रेंड एड वेस्टविक से शादी कर ली है। एमी ने अपनी शादी की खूबसूरत तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की है। इटली के अमाल्फी कोस्ट में उन्होंने एड वेस्टविक से क्रिश्चियन रीति– रिवाजों से शादी की है। एमी जैक्सन और एड वेस्टविक ने इंस्टाग्राम पर एक जॉइंट पोस्ट शेयर करते हुए लिखा कि सफर बस शुरू ही हुआ है। एमी ने अपनी क्रिश्चियन वेडिंग के लिए अलबर्टा फेरेटी का डिजाइनर गाउन पहना। ऑफ–शोल्डर नेकलाइन वाली कस्टम गाउन के साथ उन्होंने लेसी वील में पहना, जिसमें वे बेहद खूबसूरत लग रही थीं। उन्होंने अपने हाथ में सफेद गुलाबों का गुलदस्ता लिया हुआ था। वहीं एड ने सफेद सूट पहना था और वे दोनों सफेद रंग के कपड़ों में बेहद खूबसूरत लग रहे थे। एमी की ड्रीम वेडिंग में महज करीबी रिश्तेदार और दोस्त शामिल हुए। वेडिंग फंक्शन की शुरुआत एक यॉट पार्टी से हुई थी। पहले सभी मेहमान एक प्राइवेट जेट से वेन्यू तक पहुंचे थे। आपको बता दे की एमी जैक्सन २०२२ से म्यूजिशियन एड वेस्टविक के साथ रिलेशनशिप में थी। कपल ने जनवरी २०२४ में सगाई की थी। एमी जैक्सन ने ३२ साल की उम्र में शादी की हैं, जबकि एड ३७ साल के हैं। २००६ में मिस टीन वर्ल्ड का खिताब जीतने के बाद एमी जैक्सन

ने फिल्मों में काम करना शुरू कर दिया। उनकी पहली फिल्म मद्रासपट्टिनम थी, जो २०१० में आई थी। फिर उन्होंने २०१२ में एक दीवाना था नामक बॉलीवुड फिल्म में काम किया, जिसमें उन्होंने प्रतीक बब्बर नामक एक सह–कलाकार के साथ काम किया, और वे एक साल तक डेटिंग भी करते रहे। तब से, वह कई अन्य फिल्मों में दिखाई दी हैं, जिनमें येवडू, आई, थेरी, देवी, विलेन, सिंह इज ब्लिंग, २.० और क्रैक शामिल हैं।

हमारे अन्य प्रतिनिधि

l`t; ckti bZ

lhrkiqj

ek-9935160370

प्रियंका त्रिपाठी

नई दिल्ली

विधिक सलाहकार

lqjs'k ukjk;.k feJ

क्षेत्रीय सम्पादक

lkjHk d`ekj] fcgkj

ek-09386075289

मो० अरशद

c;jk phQ

eऊ

बिग बॉस 18 में शामिल होने जा रही सलमान खान की एक्स–गर्लफ्रेंड! अब खेल का मजा दोगुना

मुम्बई। बिग बॉस १८ के शुरू होने का इंतजार बेसब्री से किया जा रहा है. बिग बॉस ओटीटी ३ के खत्म होने के बाद ठपहह ठवे–१८ की चर्चा होने लग गई है. बिग बॉस को टीवी का सबसे कंट्रोवर्शियल रिएलिटी शो कहा जाता है. बिग बॉस १८ जल्द ही कलर्स चैनल पर अक्टूबर में शुरू होने वाला है. इसके लिए कंटेस्टेंट के नाम सामने आने लगे है. इस शो का हर सीजन किसी न किसी कंटेस्टेंट्स की वजह से सुर्खियों में बना रहता है. बीते कुछ समय से कई सितारों के नाम सुर्खियों में हैं, जिनको लेकर कहा जा रहा है कि वो इस शो का हिस्सा हो सकते हैं. इस लिस्ट में सलमान खान की एक्स गर्लफ्रेंड सोमी अली का भी नाम चर्चा में है.पिछले कुछ दिनों से ऐसी चर्चा चल रही है कि सलमान खान की एक्स गर्लफ्रैंड सोमी अली बिग बॉस १८ में पार्टिसिपेट करने वाली हैं. कहा जा रहा था कि मेकर्स ने उन्हें इस शो के लिए अप्रोच किया है. अब इसपर खुद सोमी का रिएक्शन सामने आया है. उन्होंने शो में शामिल होने की खबरों को

अफवाह बताया है और कहा कि ये शो की रेटिंग बढ़ाने की एक स्ट्रेटजी है. सोमी अली ने आईएएनएस से बातचीत में कहा, मैं ऐसे शो का हिस्सा नहीं बन सकती, जिसका ड्यूरेशन काफी लंबे वक्त हो. मैं इस शो की इज्जत करती हूं, लेकिन मैंने इसका एक भी एपिसोड नहीं देखा है. मुझे नहीं पता कि इसमें क्या होता है. सोमी अली ने आगे कहा, मैंने सुना है कि ये पूरा शो स्क्रिप्टेड होता है. मैं ऐसे शो का हिस्सा होना पसंद करूंगी, जो स्क्रिप्टेड न हो. इसलिए अगर वो मुझे इसके लिए बुलाते भी हैं तब भी मैं इसमें पार्टिसिपेट करना पसंद नहीं करूंगी. मुझे लगता है कि ये अफवाहें शो की रेटिंग बढ़ाने की स्ट्रेटजी है, जो नेटवर्क अक्सर करते ही हैं. मेरा किसी भी स्क्रिप्टेड रिएलिटी शो में भाग लेने का कोई इरादा नहीं है.सलमान और सोमी अली एक जमाने में एक दूसरे को डेट कर चुके हैं. ऐसा कहा जाता है कि दोनों का रिश्ता ६–७ साल तक चला था. हालांकि, सलमान की जिंदगी में ऐश्वर्या राय की एंट्री के बाद दोनों अलग हो गए थे. सोमी अली ने अपने छोटे से हिंदी फिल्मी करियर में करीब १० फिल्मों में काम किया है. इन सभी फिल्मों में उन्हें लीड रोल में देखा गया था, लेकिन इनमें से कोई भी फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ज्यादा कमाल नहीं दिखा सकी.अभी बिग बॉस १८ में शामिल होने वाले कंटेस्टेंट्स की तो कोई भी अ फिशियल लिस्ट नहीं आई है, लेकिन अफवाहों का बाजार लगातार गर्म है. जिन नामों को लेकर चर्चा है वो हैं– करण पटेल, समीरा रेड्डी, सुरभि ज्योति, पूजा शर्मा, शोएब–इब्राहिम, दलजीत कौर, अभिषेक मल्हान, मिस्टर फैसू, दीपिका आर्या, डॉली चायवाला, मैक्सटर्न, ठगेश, कशिश कपूर, दिग्विजय सिंह राठी और सिवेट तोमर. रिपोर्ट्स के मुताबिक मेकर्स बिग बॉस ओटीटी ३ की कंटेस्टेंट शिवानी कुमारी, विशाल पांडे और अदनान शेख को भी बिग बॉस १८ में ला सकते हैं. ऐसे भी कयास लगाए जा रहे हैं कि अब्दु रोजिक बिग बॉस १८ में सलमान खान के साथ स्पेशल सेगमेंट होस्ट कर सकते हैं.

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय द्वारा सांई आफसेट प्रिन्टर्स, 40 वासुदेव भवन भातखण्डे संगीत महाविद्यालय के पीछे, कैसरबाग लखनऊ से छपवाकर एमआईजी 2/379 रश्मिखंड शारदानगर आशियाना लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
आर.एन.आई UPHIN/2010/32566

सम्पादक
आरती पाण्डेय
मो.9415087228
9889745884. 9807059191. 9026560178

Email- adbhutsamachar @yahoo.in adbhut_samachar @rediffmail.com

सभी विवादों का न्यायक्षेत्र लखनऊ होगा।

समाचार पत्र में छपी समस्त प्रकार की खबरों एवं लेखों का स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय से किसी भी प्रकार का कोई लेना देना नहीं है। समाचार पत्र में छपी खबर एवं लेख पत्रकारों के अपने निजी विचार हैं। समाचार पत्र से जुड़े समस्त पत्रकारों के पद अवैतनिक हैं। और वह सब स्वतंत्र पत्रकार हैं। प्रकाशक/सम्पादक